दैनिक अर्थ प्रकाश
खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान
चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशितः उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी प्रसारित

अधिकतम 37 डिग्री से.
न्यूनतम 27 डिग्री से.
सूर्योदय 5.19
सूर्यास्त 7.29
सोना 24 कैरेट: 1,46,010.00
चांदी (प्रति किलो) : 2,50,000
सेंसेक्स : 76,865.86
अमेरिका : 94.35
कैनेडियन : 66.73
आस्ट्रेलिया : 66.21

बातों बातों में मन की बात

धोखा खाने वाला
इतना नहीं गंवाता
जितना धोखा देने वाला
गंवा लेता है।
-उपाध्याय गुप्तिसागर मुनि

वर्ष 01 | दिल्ली, शनिवार, 20 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष: षष्ठी, विक्रमी संवत-2083 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक : 303 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठः 8

न्यूज़ ब्रीफ

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान, ओआईसी की टिप्पणियों को किया खारिज

जिनेवा, 19 जून। भारत ने पाकिस्तान के बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। इसके साथ ही, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की तरफ से भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को लेकर किए गए जिक्र को भी खारिज कर दिया। भारत ने दोहराया कि यह इलाका देश का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद के 62वें सत्र में भारत के स्थानीय मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कहा, भारत को लेकर पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत अपना उत्तर देने के लिए बाध्य है। हम पाकिस्तान के लगाए बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम ओआईसी की तरफ से जम्मू और कश्मीर को लेकर की गई टिप्पणी को भी पूरी तरह से खारिज करते हैं।

राममंदिर चढ़ावा विवाद पर योगी बोले, एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करेगी

अयोध्या, 19 जून। राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को स्पष्ट कहा कि मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है और 卐दूध का दूध, पानी का पानी卐 करके रहेगी। उन्होंने सभी पक्षों से जांच पूरी होने तक बयानबाजी से बचने की अपील करते हुए कहा कि यदि किसी के पास कोई दस्तावेजी साक्ष्य है तो उसे एसआईटी को सौंपना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी दोषी होगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन जांच प्रभावित करने वाली अनर्गल टिप्पणियों से बचना जरूरी है। अयोध्या दौरे पर 245 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रामभक्तों ने प्रभु राम के मंदिर के लिए 500 वर्षों तक मर्यादा और धैर्य के साथ संघर्ष किया है। उन्होंने कहा, 15 दिन और इंतजार कर लीजिए, चिंता करने की जरूरत नहीं है। जांच एजेंसी अपना काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोला।

टेलीग्राम पर अस्थायी बैन बरकरार, दिल्ली हाईकोर्ट ने सही ठहराया सरकार का फैसला

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 19 जून। नीट री-एग्जाम से पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने टेलीग्राम ऐप प्लेटफॉर्म पर सरकार के अस्थायी बैन के फैसले को सही ठहराया है। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने अस्थायी बैन के खिलाफ दायर टेलीग्राम की याचिका को भी खारिज कर दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस तेजस कारिया की सिंगल बेंच ने शुक्रवार को टेलीग्राम की याचिका पर अपना फैसला दिया। जस्टिस तेजस करिया ने कहा, ÷सरकार का आदेश सही है। आईटी एक्ट के सेक्शन 69ए के तहत किसी प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया जा सकता है। सरकार ने परीक्षा में पेपर लीक और संगठित नकल गिरोहों से जुड़े मामलों की आशंका के चलते टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी बैन लगाया है। चिंताएं थीं कि नीट-यूजी विवाद में शामिल संगठित नकल करने वाले नेटवर्क इसका इस्तेमाल कर रहे थे। बड़े पैमाने पर पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद मूल नीट परीक्षा रद्द होने के बाद सरकार ने इस पर बैन का फैसला लिया। साथ ही, 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों को एडिट करने की सुविधा भी बंद करने का आदेश दिया गया।

ये पाबंदियां नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत जारी निर्देशों के आधार पर लगाई गई थीं। हालांकि, टेलीग्राम ने सरकार के फैसले का विरोध किया और इसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। टेलीग्राम की ओर से अदालत में कहा गया कि कानून इस तरह के भेद का प्रावधान नहीं करता। टेलीग्राम ने केंद्र सरकार के आदेश को कानूनी खामियों से ग्रस्त बताते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से अंतरिम निर्देश की पुष्टि करने की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार ने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि टेलीग्राम के आर्किटेक्चर और परीक्षा से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में इसके बार-बार गलत इस्तेमाल के कारण अधिकारियों के पास इमरजेंसी ब्लॉकिंग शक्तियों का इस्तेमाल करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा था।

दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह की नजरों से देख रही है, बढ़ रहा वैश्विक निवेश व सहयोग : पीएम मोदी

माईगव इंडिया का लेख किया शेयर, बेहतर दुनिया के निर्माण में भारत का खास योगदान

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 19 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि आज दुनिया भारत को उम्मीद और उत्साह के साथ देख रही है। उन्होंने कहा कि देश के प्रति बढ़ता वैश्विक भरोसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते सहयोग और निवेश के रूप में साफ दिखाई दे रहा है।

माईगव इंडिया के एक लेख को शेयर करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक बेहतर दुनिया के निर्माण में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और साथ ही वैश्विक मंच पर लगातार अपनी मजबूत स्थिति भी बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारत हमेशा बेहतर ग्रह और बेहतर भविष्य के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तैयार रहता है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत के प्रति दुनिया का बढ़ता विश्वास देश के 140 करोड़ नागरिकों के प्रयासों और आकांक्षाओं का परिणाम है।

उन्होंने कहा, भारत बेहतर दुनिया के निर्माण में जो भी संभव होगा, उसे करने के लिए हमेशा तैयार है। साथ ही भारत के 140 करोड़ लोगों की बदौलत दुनिया

भारत को उम्मीद और उत्साह के साथ देख रही है। यही कारण है कि दुनिया भारत के साथ जुड़ रही है और भारत में निवेश कर रही है।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी माईगव इंडिया की उस पोस्ट को साझा करते समय आई, जिसमें पिछले 12 वर्षों में वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित किया गया था।

माईगव इंडिया ने अपनी पोस्ट में कहा कि वर्ष 2014 के बाद से दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव एक नए और प्रभावशाली दौर में प्रवेश कर चुका है। अब भारत वैश्विक मुद्दों पर चर्चा को दिशा देने, रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं में अधिक प्रभावी योगदान देने की भूमिका निभा रहा है।

इंडियाज ग्लोबल मोमेंटम ए शिफ्ट द वर्ल्ड कांट इग्नोर शीर्षक वाली पोस्ट में कहा गया कि भारत का बदलाव वैश्विक मंचों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो विश्व मामलों में उसकी बढ़ती भूमिका और प्रभाव को दर्शाता है।

पोस्ट में कहा गया, 2014 के बाद से दुनिया के साथ भारत का जुड़ाव अधिक प्रभावशाली हुआ है। देश अब वैश्विक चर्चाओं को दिशा देने, साझेदारियों को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकताओं में अधिक दृश्यता, विश्वसनीयता और भरोसे के साथ योगदान देने की भूमिका निभा रहा है।

प्रधानमंत्री का आज ओडिशा दौरा 47,600 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून 2026 को ओडिशा का दौरा करेंगे। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी इस दौरे में प्रधानमंत्री के साथ रहेंगी। इस खास मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी शिरकत करके पूरे कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी। इस दौरान प्रधानमंत्री कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। दोपहर करीब 1 बजे, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मयूरभंज जिले के रायरांगपुर में ओडिशा सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। विकास धारा, ओडिशा सारा विषय पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। प्रधानमंत्री इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे।

अधिकारी आमजन की शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करें सुनिश्चित : मुख्यमंत्री नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने सिरसा में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक ली

नायब कार्यशैली बनी चर्चा का विषय, शिकायतकर्ताओं को लगाया फोन

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

चंडीगढ़, 19 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और आमजन की शिकायतों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि वास्तविक और सक्रिय है। सिरसा में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला, जहां मुख्यमंत्री ने न केवल शिकायतों को गंभीरता से सुना बल्कि मौके पर ही फोन पर संवाद कर मामलों की गहराई से जानकारी ली और तुरंत निर्णय भी दिए।

बैठक के दौरान दो ऐसे मामले सामने आए जिनमें शिकायतकर्ता स्वयं उपस्थित नहीं थे। इस पर मुख्यमंत्री ने बिना समय गंवाए फोन पर सीधे शिकायतकर्ताओं से बात कर पूरी स्थिति की जानकारी ली। पहला मामला फतेहपुर जातांवाली निवासी संजय कुमार का था, जिन्होंने रजवाहे पर साइफन सही तरीके से न लगाए जाने की शिकायत की थी। मुख्यमंत्री ने स्वयं फोन पर संजय कुमार से बातचीत कर पूरे मामले को समझा और तुरंत एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को सिरसा के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी आमजन की समस्याओं को हल करते हुए शिकायतों का निदान करें। बैठक में 15 शिकायतें सुनवाई के लिए रखी गई जिनमें से 12 शिकायतों का निपटान कर दिया गया और तीन शिकायतें लंबित रखी गई है।

सीएम ने शिकायतकर्ताओं से किया सीधा संवाद

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में गांव गंगा निवासी परमजीत सिंह की फर्जी वसीयत संबंधी शिकायत पर अधिकारियों की ओर से बताया गया कि अंगूठा निशान की दो जगह जांच करवाई गई है और दोनों जगह धुंधली होने की वजह से रिपोर्ट का मिलान नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस शिकायत को अगली बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। गांव फतेहपुर जोतांवाली निवासी श्री संजय कुमार की शिकायत जिसमें उन्होंने साइफन को गलत बनाए जाने के मामले में कार्रवाई की मांग थी, मुख्यमंत्री ने इस मामले में संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश दिए जो मौके पर जाकर किसानों से बातचीत करेगी तथा इसके तमाम पहलूओं को देखते हुए अगली बैठक में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

सिकल सेल स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले पूरा : राष्ट्रपति मुर्मु

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

खंडवा, 19 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मध्य प्रदेश के पांच दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन शुक्रवार को सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि सिकल सेल स्क्रीनिंग के लक्ष्य को समय से पहले पूरा कर लिया गया है।

विश्व सिकल सेल दिवस पर मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के अंतर्गत मध्य प्रदेश ने जो बहुआयामी उपलब्धियां हासिल की हैं। यह संतोष की बात है कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मिशन का शुभारंभ करते समय जो अनेक बड़े लक्ष्य देश के सामने रखे गए थे, उनमें से स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा हो गया।

ईरान-अमेरिका पीस डील के बावजूद इजराइल ने किया लेबनान पर हमला, 18 की मौत

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

तेहरान। ईरान-अमेरिका के बीच गुरुवार रात पीस पर दस्तखत हुए। इसके एक दिन बाद इजराइल ने लेबनान पर हमला किया जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। पीस डील की शर्तों के मुताबिक इजराइल को लेबनान पर हमले रोकने थे लेकिन पीएम नेतन्याहू ने इससे इनकार कर दिया था।

इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने गुरुवार रात से अब तक दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में 80 से ज्यादा ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जिनमें हिजबुल्लाह के दर्जनों लड़ाके मारे गए हैं। दूसरी ओर हिजबुल्लाह के हमले में दक्षिणी लेबनान में 4 इजराइली सैनिकों की मौत हो गई है। इससे नाराज होकर इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन गवीर ने तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरा लेबनान जलना चाहिए।

आज अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में बातचीत होनी थी जो रद्द हो गई है। अमेरिकी मीडिया एक्सियोस के मुताबिक, इसकी वजह इजराइल के लेबनान पर लगातार हमला हो सकता है। ष्टहृह ने भी एक डिप्लोमैट के हवाले से बताया कि ईरान ने कहा है कि अमेरिका पहले लेबनान पर हमले रुकने की गारंटी दे, तभी आगे की बातचीत होगी।

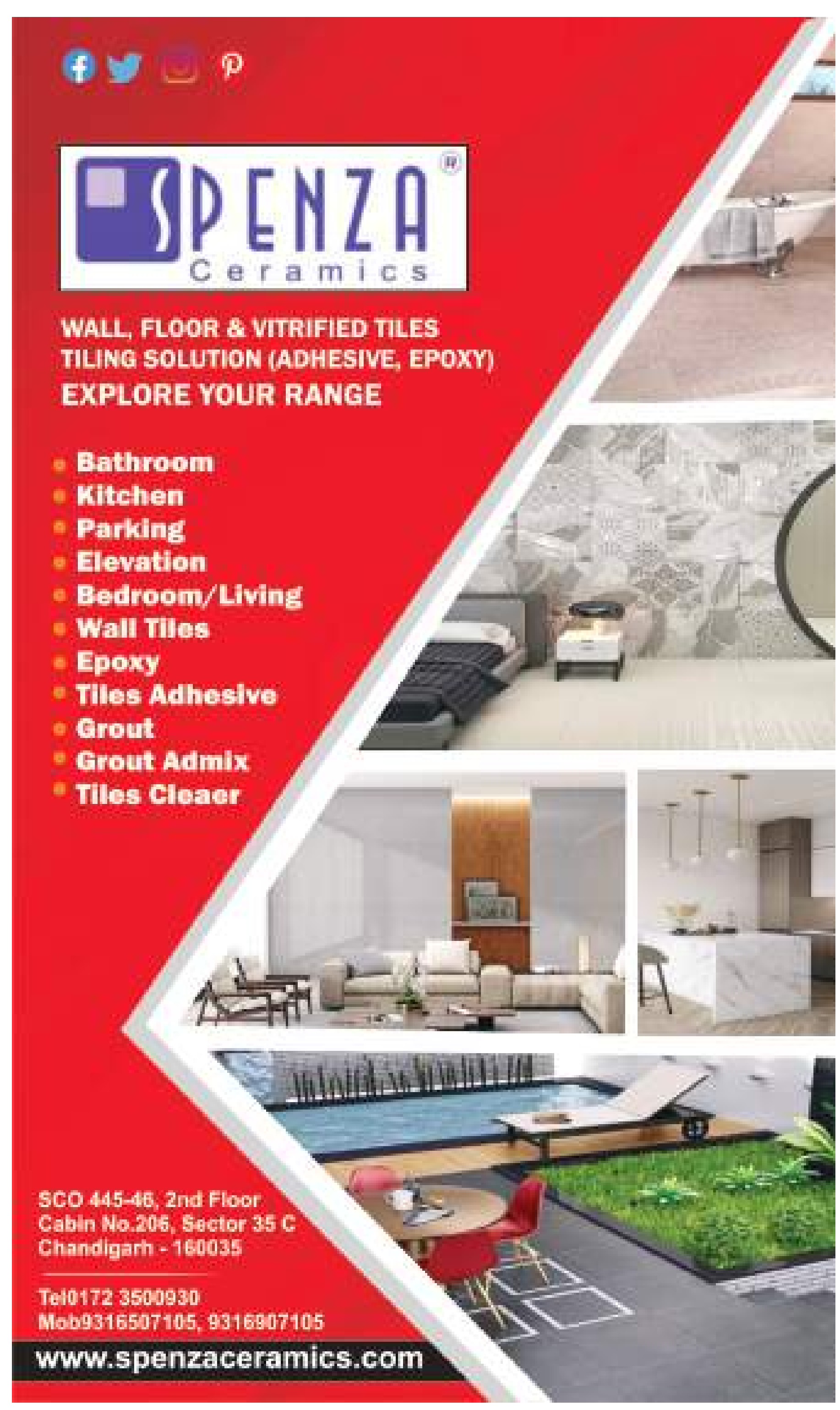

आईपीओ | रिलायंस के बोर्ड ने दी मंजूरी, सेबी के पास दस्तावेज जमा

जियो का आईपीओ जल्द आएगा, 27 करोड़ शेयर जारी होंगे

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 19 जून। जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने जियो के आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) को मंजूरी दे दी है और डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दिन के अंत में जमा किया जाएगा। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी की ओर से शुक्रवार को दी गई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि प्रस्तावित आईपीओ में 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल होगा। इश्यू की अंतिम कीमत सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस, 2018 के तहत बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया से तय की जाएगी। आईपीओ का ऐलान करते हुए अंबानी ने कहा कि यह मेरे लिए, पूरी रिलायंस परिवार और हमारे लाखों शेयरधारकों के लिए भावुक पल है।

उन्होंने कहा कि रिलायंस और उसके शेयरहोल्डर्स के बीच का रिश्ता ÷गर्व, भरोसे, सम्मान और साथ मिलकर आगे बढ़ने पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता÷ है, यह एक ऐसा कमिटमेंट है जो धीरूभाई अंबानी के लिए बहुत निजी था और मेरे लिए भी उतना ही पवित्र है।

आकाश, ईशा और अनंत संभाल रहे आईपीओ प्रोसेस

आकाश, ईशा और अनंत जियो के आईपीओ प्रोसेस को संभाल रहे हैं और भविष्य में वैल्यू बनाने के मौकों के मामले में अगली पीढ़ी का नेतृत्व करेंगे। अंबानी के मुताबिक, जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को दिखाएगी कि भारत ग्लोबल स्तर, ग्लोबल क्षमता और ग्लोबल वैल्यू वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को भरोसा दिलाता हूं कि जियो का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। उन्होंने जियो को इस साल वैल्यू बनाने की दिशा में सबसे अहम पड़ाव बताया जा रहा है, जो रिलायंस के शेयरहोल्डर्स के लिए बड़ी वैल्यू बनाएगा और दूसरों को निवेश का आकर्षक मौका देगा। जियो प्लेटफॉर्म्स के पास रिलायंस जियो इंफोकॉम का मालिकाना हक है। ट्राई के आंकड़ों के मुताबिक देश में जियो के 52.69 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। भारत के वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट मार्केट के करीब 50 प्रतिशत हिस्से पर अकेले जियो का कब्जा है। भारतीय बाजार में करीब 35 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारती एयरटेल दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी है। एयरटेल 120 अरब डॉलर से ज्यादा के मार्केट कैप के साथ देश की तीसरी मूल्यवान कंपनी है। बाजार में यह 42 गुना से ज्यादा के प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो पर ट्रेड कर रही है, जिससे जियो की वैल्यूएशन का अंदाजा लगाने में मदद मिलेगी।

श्रीनगर सीमेंट फैक्ट्री में चिमनी फटने से आग, 7 मजदूर झुलसे, एक गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां काम कर रहे श्रमिक आग और तेज गर्मी की चपेट में आ गए। फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर सभी घायलों को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर को विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि फैक्ट्री में निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में जो तथ्य सामने आया है, उसके बाद कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में तेज प्रताप यादव के खिलाफ एफआईआर : आरोप-प्रत्यारोप का दौर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक नया राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया जब कोर्ट के आदेश पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा अनुष्का के भाई आकाश यादव ने दर्ज कराया है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से तेज प्रताप से जोड़ा जाता रहा है। बिहार पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एएसपी दिव्यांजलि जायसवाल के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस का कहना है कि ये धमकियां कथित तौर पर अमेरिका के एक नंबर से फोन करके दी गई थीं। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 6 जून को हुई थी, जब तेज प्रताप और उनके सहयोगी मोतीलाल यादव कथित तौर पर पाटलिपुत्र इलाके में आकाश यादव के घर गए थे, जबकि आकाश खाटू श्याम की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने जबरन घर में घुसने की कोशिश की और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों को धमकी दी। आकाश यादव की ओर आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार को लेकर धमकियां दी गईं और बाद में उन्हें मोतीलाल और एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक आपराधिक गिरोह का सदस्य बताया। शिकायत के अनुसार, कॉलर ने उन्हें तेज प्रताप के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी।

शोपियां में लापता तीन युवक विस्फोटक के साथ गिरफ्तार, आतंकी संगठन से संबंध का शक

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान 31 मई से लापता चल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इनके तार आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े होने की आशंका जाहिर की गई है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किए युवकों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, 2.5 किलोग्राम पीईके (प्लास्टिक एक्सप्लोसिव किरकी), चार मोबाइल फोन और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित पोस्टर बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां दक्षिण कश्मीर जिले के पुडसू इलाके से की गईं। गिरफ्तार युवकों की पहचान एजाज अहमद खांडे, अरबाज अहमद मीर और नासिर अहमद डार के रूप में हुई है, जो सभी शोपियां जिले के बेगामा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों 31 मई से अपने घरों से लापता थे और माना जा रहा है कि वे हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गए थे। वर्तमान में पुलिस इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि आतंकी मॉड्यूल, भर्ती प्रक्रिया और उनके सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां या सामग्री की बरामदगी हो सकती है। जांच एजेंसियां इनके सीमा पार के आतंकी आकाओं से संभावित संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं, जो क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार एनकाउंटर पर बीजेपी ने उठाए सवाल, शाह और सीएम से जांच की मांग

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक पुलिस एनकाउंटर पर भारतीय जनता पार्टी ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बड़ी मांग की है। बीजेपी नेता सिन्हा ने घटना पर दुख जताकर कहा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों और चिंताओं का निष्पक्ष उत्तर सामने आना चाहिए। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन को स्वागतयोग्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी आशंका की गुंजाइश न रहे। सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग या लापरवाही की पुष्टि होती है, तब दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं, बल्कि कानून और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास से भी जुड़ा है। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनकाउंटर को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पण के उपरांत गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस निर्मम हत्या पर संज्ञान लेने और हत्यारे पुलिस प्रशासन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चस्तरीय जांच का आदेश देने की अपील की। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी आग्रह किया कि वे 48 घंटे के भीतर हत्यारों को जेल भेजकर बिहार में सुशासन का परिचय दें।

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी!

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावर हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया हैं कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

-जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

-महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं

-मायावती ने दिया- 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

-शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

अल-नीनो का बढ़ता खतरा: भारत के लिए अगले पांच महीने चुनौतियों से भरे

-कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा सीधा प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस वर्ष मॉनसून की शुरुआत उम्मीद से थोड़ी धीमी रही है, जिसने देश के कई हिस्सों में चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 जून की शुरुआत में भले ही केरल पहुंच गया हो, लेकिन इसकी आमद सामान्य से कुछ विलंब से हुई, और प्रारंभिक बारिश भी कई क्षेत्रों में कमजोर दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने अब एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अल-नीनो का पूरा प्रभाव अभी तक देखा नहीं गया है, और आने वाले जुलाई से नवंबर तक के महीने भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 2026 में अल-नीनो जून में अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, लेकिन जुलाई-अगस्त में इसके मध्यम होने और सितंबर तक मजबूत होने की प्रबल संभावना है। एनओएए और आईएमडी जैसे प्रमुख मौसम संगठनों के अनुसार, जुलाई-अगस्त तक अल-नीनो के पूरी तरह विकसित होने की संभावना 80-90 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले कई दशकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि अधिकांश अल-नीनो वर्षों में भारत को औसत से कम बारिश मिली है।

पिछले माह सामान्य से कम रही बारिश

जून 2026 के पहले दो हफ्तों में कई राज्यों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों में 70-80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत और कुछ उत्तरी हिस्सों में भी बारिश का स्तर नीचे रहा। आईएमडी के अनुसार, जून महीने में भी औसत से कम बारिश रहने की संभावना है। मॉनसून की इस देरी और कमजोर शुरुआत ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अल-नीनो का असली और गहरा असर जुलाई से सितंबर के बीच दिखेगा, जब मॉनसून अपनी चरम अवस्था में होता है। यदि अल-नीनो मजबूत होता है, तो अगस्त-सितंबर में बारिश में और भी कमी आ सकती है। इससे देश के जलाशयों में पानी की कमी, नदियों के सूखने और भूजल स्तर में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं और विकराल रूप ले सकती हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, जहाँ लगभग 50-60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में धान, मक्का, सोयाबीन, कपास और दालें जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं। कम बारिश से इन फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। पिछले अल-नीनो वर्षों में सूखे के कारण किसानों की आय घटी, उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा और कई जगहों पर आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ीं। 2026 में यदि बारिश 90 प्रतिशत या उससे कम रहती है, तो खाद्यान्न उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे देश के सामने खाद्य सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार को अनाज का आयात बढ़ाना पड़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इन इलाकों में वर्षा आधारित खेती अधिक होती है। छोटे किसान, जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त

सुविधा नहीं है, वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पशुपालन भी प्रभावित होगा, क्योंकि चारे की कमी हो सकती है। कम बारिश का सीधा मतलब है जल संकट का गहराना। देश के कई शहरों और गांवों में पहले से ही पानी की समस्या है, और मॉनसून कमजोर रहने पर पीने के पानी, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की कमी और बढ़ेगी। बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि हाइड्रो पावर प्लांट पानी पर निर्भर करते हैं। अल-नीनो से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी पहले से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है।

जेनरेटिव एआई से रियल एस्टेट में उछाल, 17 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वैल्यू

बिक्री में 50 फीसदी सुधार, अगले 7 साल में बढ़ेगा 14-17 अरब डॉलर का जीवीए

नई दिल्ली ।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) अगले सात साल में रियल एस्टेट क्षेत्र में 14 से 17 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कर सकता है। इससे रियल एस्टेट के कुल मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। ईवाई-पार्थेनॉन और क्रेडाई की संयुक्त रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जेनएआई की मदद से डेवलपरों को बिक्री की रफ्तार में 30 से 50 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही परियोजनाओं को लॉन्च करने में भी लगभग 30 प्रतिशत की तेजी आएगी। जेनएआई सौदों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को लगभग 50 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि भूमि अधिग्रहण का समय 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह स्वचालित व्यावहारिक मॉडलिंग और विक्रेता मूल्यांकन के जरिए 2.5 गुना अधिक सौदों के मूल्यांकन को सक्षम करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेनएआई को जल्दी अपनाने वाले व्यवसायों को जबरदस्त परिचालन लाभ मिल सकता है, जिसमें कार्यबल उत्पादकता में 20-50 फीसदी सुधार और ग्राहक अधिग्रहण लागत में उतनी ही कमी होगी। इससे निर्णय लेने की अवधि भी महीनों से हफ्तों या दिनों में सिमट जाएगी, जिससे डेवलपरों को व्यावहारिकता का आकलन करने और परियोजनाओं की योजना बनाने के तरीकों को नया आकार देने में मदद मिलेगी।

एक्सेंचर का राजस्व बढ़ा पर निवेशकों को नहीं भाया, शेयर गिरे

- तिमाही में कंसल्टिंग कारोबार की धीमी वृद्धि और आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में गिरावट चिंता का विषय बनी

नई दिल्ली ।

ग्लोबल आईटी कंसल्टिंग और आउटसोर्सिंग दिग्गज एक्सेंचर ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजे जारी किए हैं, जिसमें राजस्व में 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद निवेशकों में खास उत्साह नहीं दिखा और कंपनी के शेयर में जोरदार गिरावट देखने को मिली। नए ऑर्डर मिलने की धीमी रफ्तार और पूरे साल के लिए ग्रोथ अनुमान में कटौती ने बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक्सेंचर के नतीजों से भले ही कंपनी का राजस्व 5.6 फीसदी बढ़कर 18.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो बाजार के अनुमानों के करीब था, फिर भी निवेशकों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया। तिमाही के दौरान, कंपनी के कंसल्टिंग कारोबार की वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी रही, जबकि आउटसोर्सिंग या मैनेज्ड सर्विसेज कारोबार में 5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि कंपनी का मौजूदा बड़ा कारोबार तो चल रहा है, लेकिन नए प्रोजेक्ट हासिल करने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता नए ऑर्डर यानी बुकिंग्स को लेकर थी। इस तिमाही में एक्सेंचर को 19.3 अरब डॉलर के नए ऑर्डर मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी कम हैं।

खास बात यह रही कि जहां कंसल्टिंग बुकिंग्स में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में करीब 15 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और कुछ बड़े आउटसोर्सिंग सौदों का अगले वित्त वर्ष के लिए टल जाना बताया है, जिससे उसे करीब 10 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। इन चुनौतियों के चलते, एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ग्रोथ गाइडेंस को भी कम कर दिया है। पहले 3 से 5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 फीसदी कर दिया गया है। यह संकेत देता है कि कंपनी आने वाले समय में धीमी कारोबार रफ्तार की आशंका कर रही है। हालांकि, कंपनी भविष्य को लेकर आशावादी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक बड़ा ग्रोथ इंजन मान रही है।

एक्सेंचर का कहना है कि ग्राहक अब एआई के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी ने मिड-साइज कंपनियों के लिए एक्सेंचर एज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है और अधिग्रहण (एक्विजिशन) के लिए अपना बजट 5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 9 अरब डॉलर कर दिया है, जो भविष्य की तैयारी में उसके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण। मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों। उन्होंने कहा, ÷जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।÷ अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।÷ मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों से हालांकि सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 2.7 प्रतिशत की तेजी के साथ नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि जापान का निक्केई 225 भी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट में निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.08 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की

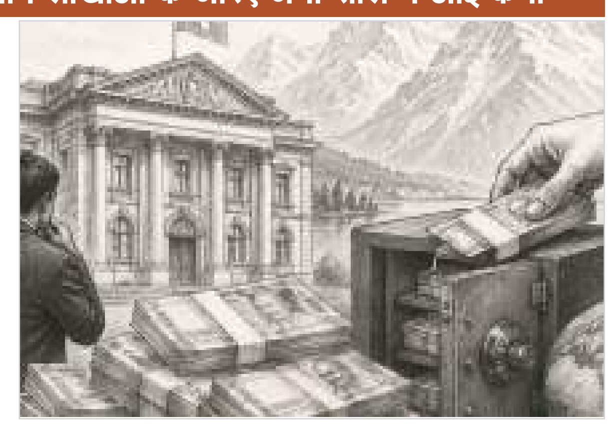

इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई। वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से प्रमुख रूप से ग्राहक जमा, अन्य बैंकों के जरिये रखी गई राशि और बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे वित्तीय साधन शामिल थे।

एनआरआई ग्राहकों को लेकर चिंता में बैंक ग्राहकों को लुभाने की दौड़ तेज

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाने के बाद बैंकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इस बदलाव से कुछ बैंक अपने विदेशी ग्राहकों को खोने की आशंका से चिंतित हैं, क्योंकि अन्य बैंक अधिक आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे उन बैंकों की चिंता बढ़ गई है जिनके एनआरआई ग्राहक बेहतर रिटर्न की तलाश में दूसरे बैंकों की ओर रुख कर सकते हैं। कुछ बैंक, जिन्होंने पहले ही नई दरों की घोषणा कर दी थी, अब केंद्रीय बैंक के नए नियमों के मद्देनजर अपनी योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। एक वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की कि वे अपनी घोषित दरों पर फिर से विचार करेंगे। बैंकरों और विश्लेषकों का मानना है कि छोटे बैंक अब दरें आक्रामक रूप से बढ़ा सकते हैं, जबकि बड़े बैंक संभवतः 6 फीसदी के स्तर के आसपास ही बने रहेंगे।

वैश्विक संकेतों से भारतीय आईटी सेक्टर में भूचाल

निफ्टी आईटी 6 फीसदी टूटा, इंफोसिस 8 फीसदी तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर पर जोरदार मार पड़ी। अमेरिकी आईटी दिग्गज एक्सेंचर के कमजोर व्यावसायिक संकेतों के बाद निवेशकों में भारतीय आईटी कंपनियों की भविष्य की ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ गई, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 6 फीसदी की तेज गिरावट आई। इस बिकवाली के कारण प्रमुख आईटी शेयरों में भारी नुकसान देखा गया। इंफोसिस, टीसीएस0, टेक महिंद्रा, एमफैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे दिग्गज शेयरों में 5 से 8 फीसदी तक की बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1,700 अंक से अधिक गिरकर 26,763 पर बंद हुआ, जिसमें इंफोसिस 8 फीसदी से ज्यादा और अन्य दिग्गज 5-6.5 फीसदी तक लुढ़के। इंडेक्स में शामिल सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए।दरअसल, एक्सेंचर ने पूरे साल के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है और नए ऑर्डर भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट में तनाव और कुछ बड़े प्रोजेक्ट टलने को इसकी वजह बताया, पर वैश्विक आय पर निर्भर भारतीय आईटी कंपनियों पर असर की आशंका से बाजार में घबराहट फैली। हालांकि नुवामा के विश्लेषकों ने इसे बड़ा संकट नहीं, बल्कि हल्का नकारात्मक संकेत बताया है।

दुबई में पेट्रोल पंप पर भारतीय युवाओं के लिए कितना है वेतन पैकेज

खाड़ी देशों में रोजगार की तलाश में लाखों युवा; जानें योग्यता

नई दिल्ली ।

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों के लाखों युवा हर साल बेहतर रोजगार तलाशने खाड़ी देशों का रुख करते हैं, जिनमें दुबई एक प्रमुख केंद्र है। अक्सर मन में सवाल उठता है कि दुबई के पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले प्रवासियों की कमाई कितनी है और वहां काम का माहौल कैसा? आइए जानते हैं इन फ्यूल स्टेशनों पर नौकरी से जुड़ी सभी अहम बातें। दुबई व यूएई में एडीएनओसी, अमीरात और ईपीपीसीओ/ईएनओसी जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूल स्टेशन संचालित करती हैं। यहां पेट्रोल भरने (फ्यूल अटेंडेंट) के अलावा, कैशियर, स्टोर एसोसिएट व कार वॉश अटेंडेंट जैसे कई अन्य पदों पर भी भर्तियां होती हैं। इन नौकरियों के लिए कम से कम 10वीं/12वीं पास, बुनियादी अंग्रेजी की समझ और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। आमतौर पर 35 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्राथमिकता मिलती है। भर्ती सीधे कंपनियों या थर्ड-पार्टी एजेंसियों से होती है। सैलरी दो

मुख्य मॉडलों पर आधारित है। पहले मॉडल में, कंपनी रहने व खाने की सुविधा मुफ्त देती है, जिससे मासिक आय 1,000 से 2,000 एईडी (लगभग 25,000-45,000 रुपए) होती है।

दूसरे मॉडल में, ये खर्च कर्मचारी को खुद उठाने होते हैं, पर सैलरी 2,400 एईडी (लगभग 55,000-60,000 रुपए) तक पहुंच सकती है।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरुरत, आरबीआई की वीआरअर नीलामी सुस्त

केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली। यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो। 18 जून तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में लगभग 19,163.11 करोड़ रुपए का नकदी अधिशेष बना हुआ है। हालांकि, यह स्तर अपेक्षाकृत कम है, जो प्रणाली में थोड़ी तंगी भरी परिस्थितियों का संकेत देता है। आरबीआई अल्पकालिक नकदी प्रबंधन और रातोंरात दरों को नीतिगत दर गलियारे के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआर नीलामियां आयोजित करता है। इसके तहत, बैंक अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिए पैसा उधार लेते हैं। नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

इसमें 18 जून को 72,300 करोड़, 16 जून को 89,440 करोड़ और 15 जून को 28,220 करोड़ की नकदी शामिल है। बावजूद इसके शुक्रवार की नीलामी में कम भागीदारी बैंकों की सीमित उधारी आवश्यकताओं को उजागर करती है।

पेरिस में बोले पीएम मोदी- पिछले 12 सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने बदली देश की तस्वीर

जीडीपी दोगुना, मेट्रो नेटवर्क 4 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाई

फ्रांस ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति और वैश्विक पटल पर उसकी बढ़ती साख का गुणगान किया। उन्होंने देश को भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद भागीदार बन चुका है। पीएम मोदी ने पेरिस को रोशनी और रंगों का शहर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यहां बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर को और भी रंगीन बना दिया है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य का काल बताया, जिसमें देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की ही शक्ति है कि एक चाय बेचने वाला आज दुनिया के सामने देश का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बदलती तस्वीर को आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोगुना हुआ है, एयरपोर्ट्स और विश्वविद्यालयों की संख्या दोगुनी हुई है, जबकि मेट्रो

नेटवर्क में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे बड़ी उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर बाहर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के कुल घरों की संख्या से भी अधिक पक्के घर भारत में जरूरतमंदों के लिए बनाए जाने और हर परिवार के पास बैंक अकाउंट होने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भरोसा जरूरी है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारत इनोवेट्स और भारत कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए फ्रांस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया, और उन्हें भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की असली ताकत बताया।

गुवाहाटी में होगी भारत-जापान निवेश शिखर वार्ता 50 जापानी कंपनियां करेंगी फोकस

– सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, वाहन क्षेत्र में बड़े समझौते संभव; सुजुकी मोटर के अध्यक्ष भी प्रतिनिधिमंडल में

नई दिल्ली ।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची का आगामी गुवाहाटी दौरा भारत में बड़े जापानी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला समझौतों पर मुहर लगा सकता है। उनके साथ 50 जापानी कंपनियों के अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुवाहाटी में होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढीकरण और रणनीतिक तेल भंडार के लिए वित्तीय सहायता पर महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना है। जापान भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को उत्सुक है, जिसमें 2 अरब डॉलर की 'साउथ-ईस्ट एशिया इन्वेस्टमेंट फाइनैंसिंग फैसिलिटी' के तहत रणनीतिक भंडार बढ़ाना शामिल हो सकता है।

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन जैसे क्षेत्र जापानी व भारतीय कंपनियों के लिए प्रमुख फोकस रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में सुजुकी मोटर के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजूकी जैसे बड़े उद्योगपतियों की उपस्थिति इन क्षेत्रों में बढ़ती जापानी दिलचस्पी को दर्शाती है। असम का मोरीगांव, जो भारत के पहले स्वदेशी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र (टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट द्वारा संचालित) का घर है, जापानी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। नई दिल्ली के बाहर पूर्वोत्तर में यह शिखर वार्ता क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक और व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करती है, जिससे भारत के पूर्वी द्वार पर नए आर्थिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान के बीच संधि होना विश्व के लिए बड़ी राहत

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने के लिए दोनों की ओर से एक संधि पर हस्ताक्षर करना विश्व के लिए राहत भरी खबर है, लेकिन इस संधि पर आशंकाओं के इतने बादल मंडरा रहे हैं, कि विश्वास ही नहीं होता है कि वास्तव में अब युद्ध पूरी तरह रुक जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के उपराष्ट्रपति के बीच इस संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं। निश्चित रूप से यह ईरान के लोगों के लिए बड़ी कामयाबी है, लेकिन अब अमेरिका में पूछा जा रहा है कि आखिर इस युद्ध से क्या हासिल हुआ है। अगर उस संधि के प्रस्तावों पर गौर करें जोकि दोनों देशों के बीच हुई है तो उसमें ईरान का पक्ष भारी नजर आता है। जैसे कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जा करके अमेरिका को अपने पक्ष में झुकने को मजबूर कर दिया। हालांकि इजरायल की जनता और उसकी भावनाओं का अमेरिका ने जरा सा भी ख्याल नहीं रखा, जबकि इजरायल ने अपनी आजादी को बनाए रखने के लिए इस युद्ध को ईरान समर्थित आतंकियों के खिलाफ शुरू किया था। यही वजह है कि अब इजरायल के लोग खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और यह वास्तव में है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य में ईरान समर्थित आतंकी संगठन इजरायल पर पुनः हमले न करें, तब अमेरिका क्या फिर से इजरायल को बचाने के लिए आएगा। जबकि मौजूदा हालात तो यह हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लगभग अपनी गलती मानते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री की आलोचना की है। यानी उन्हें लगता है कि ईरान के साथ युद्ध में पड़ने की वजह इजरायल है।

अगर इस संधि के तहत अमेरिका और ईरान के खोए और पाए पर विचार करें तो इसमें उस प्रमुख मुद्दे पर महज अस्थायी सहमति बनी है, जोकि इसके विवाद की जड़ में है। वह मामला है परमाणु कार्यक्रम का। दोनों देशों के बीच 14–सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति ही बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। निश्चित रूप से ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के लिए एक कामयाबी होगी, और विश्व में शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस नए परमाणु समझौते के लागू होने से ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।

अगर इस संधि के तहत अमेरिका और ईरान के खोए और पाए पर विचार करें तो इसमें उस प्रमुख मुद्दे पर महज अस्थायी सहमति बनी है, जोकि इसके विवाद की जड़ में है। वह मामला है परमाणु कार्यक्रम का। दोनों देशों के बीच 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति ही बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। निश्चित रूप से ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के लिए एक कामयाबी होगी, और विश्व में शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस नए परमाणु समझौते के लागू होने से ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। 2015 के समझौते में केवल परमाणु से जुड़े प्रतिबंध हटे थे, लेकिन आतंकवाद और मानवाधिकार के मुद्दे पर प्रतिबंध जारी थे। इस बार पूरी राहत का वादा है। इसके अलावा युद्ध के बाद ईरान को दोबारा खड़ा करने के लिए 300 अरब डॉलर का फंड बनाया जाएगा। लेकिन दिलचस्प यह है कि ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिका इसमें कोई पैसा नहीं देगा। तो अमेरिका अगर इसके लिए फंड नहीं देगा तो फिर कौन देगा।

बेशक, अमेरिका ने ईरान को काफी नुकसान पहुंचाया है। अमेरिकी और इस्राइली हवाई हमलों ने ईरान की पारंपरिक नौसेना और वायु सेना को लगभग नष्ट कर दिया। ईरान की मिसाइल निर्माण क्षमता काफी साल पीछे चली गई है और उसके मिसाइल स्टॉक का लगभग एक-तिहाई से आधा हिस्सा तबाह हो गया है। अमेरिका-इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए, जिससे ईरानी शासन को गहरा झटका लगा। ईरान ने वैश्विक तेल आपूर्ति के इस सबसे महत्वपूर्ण रास्ते को बंद कर दिया था। नए समझौते के तहत अमेरिका इस नाकेबंदी को हटवाने और व्यापारिक जहाजों के लिए इसे फिर से सुरक्षित खुलवाने में सफल रहा। जाहिर है, ईरान की भी यह मजबूरी है कि वह इस संधि को स्वीकारे। बेशक, उसकी स्थिति घुटनों पर आने की है, लेकिन मुस्लिम भाईचारे में अपनी नाक बचाने और दुनिया के समक्ष एक असफल मुल्क कहलाने के बजाय अपने वजूद के लिए लड़ते रहने वाले देश के रूप में उसने अपनी पहचान को स्थापित करने के लिए एक सम्मानजनक संधि स्वीकार करने की जिद की। इस युद्ध के दौरान ईरान भारी नुकसान उठाना पड़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुख्य उद्देश्य ईरान में शासन परिवर्तन करना और ईरान समर्थित प्रॉक्सी समूहों, जैसे हिजबुल्ला और हूती को पूरी तरह खत्म करना था। हालांकि, भारी हमलों के बावजूद ईरान का शासन तंत्र सुरक्षित बचा रहा और उसके प्रॉक्सी नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हुए। बहरहाल, इस संधि की कमी पेशी जो भी हों, यह बड़ी बात है कि अब अमेरिका और ईरान ने इस युद्ध को खत्म करने का निर्णय ले लिया है। वैश्विक समुदाय ने इस दिशा में भरसक प्रयास किए थे, जिनके बाद अब यह समय आया है। संभव है, विश्व में महंगाई के बढ़ते दबाव को अब रोका जा सकेगा।

टच कीजिए टच–स्क्रीन!

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

अल्बर्ट आइंस्टीन को भला कौन नहीं जानता? आइंस्टीन केवल एक साधारण वैज्ञानिक ही नहीं थे, वे एक महान वैज्ञानिक और सिद्धांतकार थे। अपने क्रांतिकारी विचारों और खोजों से उन्होंने आधुनिक विज्ञान की दिशा ही बदल दी। उन्होंने कई ऐसे सिद्धांत दिए, जिनसे आज की तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और परमाणु ऊर्जा तक प्रभावित हुए हैं। सापेक्षता का सिद्धांत उनकी सबसे प्रसिद्ध खोज है। उन्होंने बताया कि समय, दूरी और गति स्थिर नहीं होते, बल्कि परिस्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। इसी सिद्धांत की वजह से आज ब्लैक होल, गुरुत्वीय तरंगें और ब्रह्मांड की कई घटनाएँ समझी जा सकीं। उनकी एक और प्रमुख खोज थी कि पदार्थ और ऊर्जा एक-दूसरे में बदले जा सकते हैं। इसी सिद्धांत ने आगे चलकर परमाणु ऊर्जा और परमाणु बम के विकास का रास्ता खोला। फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव की उनकी खोज से सिद्ध हुआ कि प्रकाश केवल तरंग नहीं, बल्कि फोटॉन नामक छोटे-छोटे ऊर्जा कणों के रूप में भी काम करता है, इसी खोज के लिए उन्हें 1921 में नोबेल पुरस्कार मिला। सोलर पैनल, कैमरे के सैंसर, टीवी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ी बहुत सी तकनीकें इसी सिद्धांत पर आधारित हैं। आइंस्टीन के इन सिद्धांतों के कारण ही आज प्रयोग होने वाले जीपीएस सिस्टम, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, लेज़र तकनीक और सोलर ऊर्जा आदि के क्षेत्रों का विकास हो सका। आइंस्टीन को संगीत से बहुत प्रेम था और वे नियमित रूप से वायलिन बजाया करते थे। वे शांति के समर्थक थे और युद्ध के खिलाफ बोलते थे। यही कारण है कि आइंस्टीन को केवल एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि मानव इतिहास के सबसे प्रभावशाली विचारकों में गिना जाता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन ब्रह्मांड के रहस्य समझा सकते थे – रोशनी, समय, गुरुत्वाकर्षण और इस दुनिया की बनावट तक, लेकिन उनके जीवन का एक दुखद अध्याय यह है कि वे अपने और अपने बेटे के बीच की दूरी कम नहीं कर सके। उनका छोटा बेटा एडुआर्ड बहुत भावुक, बुद्धिमान और प्रतिभाशाली था। उसे कविता से प्रेम था, वह शोपां का संगीत बहुत सुंदर बजाता था, और मनोचिकित्सक बनने का सपना देखता था। आइंस्टीन उसे बहुत प्यार करते थे, लेकिन जब आइंस्टीन का विवाह टूटा, तब वे बेटे के जीवन में धीरे-धीरे दूर होते चले गए। वे चिट्ठियों में तो पिता बने रहे, पर जीवन में साथ नहीं दे सके।

बड़ा होने पर एडुआर्ड को मानसिक बीमारी हो गई। उसने अपना अधिकतर जीवन ज्यूरिख के एक मानसिक चिकित्सालय में बिताया। उस समय तक आइंस्टीन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो चुके थे और प्रिंस्टन में रहते थे। वे पैसे भेजते थे, कभी-कभी पत्र लिखते थे और बेटे का हाल पूछ लेते थे, लेकिन वे उससे फिर कभी मिलने नहीं गए। उनके स्वर्गवास के कई वर्षों बाद, आइंस्टीन के कागज़ों में एक ऐसा पत्र मिला, जो उन्होंने एडुआर्ड के लिए लिखा था, पर कभी भेजा नहीं। उस पत्र में उन्होंने याद किया कि बचपन में उनका बेटा कैसे शोपां बजाया करता था। फिर उन्होंने एक ऐसी पंक्ति लिखी, जिसने सब कुछ कह दिया – मुझे तुम्हारे साथ और अधिक समय बिताना चाहिए था। मैं विचारों के पीछे भागता रहा, जबकि मुझे तुम्हारे पीछे भागना चाहिए था।

वह पत्र कभी भेजा नहीं गया। एडुआर्ड उसे कभी पढ़ नहीं पाया। अपने अंतिम दिनों में एडुआर्ड अस्पताल में ही रहा। उसके बिस्तर के पास हमेशा अपने पिता की तस्वीर रखी रहती थी। जब आइंस्टीन की मृत्यु हुई, तब एडुआर्ड को यह समाचार दिया गया। वह लंबे समय तक चुप बैठा रहा। फिर वह कमरे में गया और शोपां का संगीत बजाने लगा।

यह केवल आइंस्टीन की कहानी नहीं है। यह उन शब्दों की कहानी है, जिन्हें हम कहना चाहते हैं, उन फ़ोन कॉल्स की कहानी है, जिन्हें हम टालते रहते हैं, उन चिट्ठियों की कहानी है, जिन्हें हम कभी भेज नहीं पाते। जीवन के सबसे बड़े पछतावे अक्सर उन कामों के नहीं होते, जो हमने किए। वे उन भावनाओं के होते हैं, जिन्हें हमने महसूस तो किया, लेकिन कभी कह नहीं पाए। सच तो यह है कि मन की बातें कभी दबाकर नहीं रखनी चाहिए। इससे गलतफहमियां और मन में कल्पनाएं पैदा होती हैं। जब बहुत अधिक चुप्पी होती है, तब इंसान जरूरत से ज़्यादा सोचने लगता है, इसलिए अपने भाव थोड़ा खुलकर व्यक्त करना सीखिए। हर व्यक्ति आपके मन की बात अपने-आप नहीं समझ सकता। अगर हमें कुछ चाहिए तो हमें साफ़-साफ़ कह देना चाहिए। नाराज़ होकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला हमारी चुप्पी समझ जाएगा। अगर हम किसी को पसंद करते हैं तो भी बताना चाहिए। मन ही मन दुखी होते रहने से कुछ नहीं बदलता। अगर हमें कोई बात या कोई व्यक्ति अच्छे नहीं लगते तो विनम्रता से सच बोल देना श्रेयस्कर है। दूरी बनाकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला इशारा समझ जाएगा।

जीवन का एक बहुत सरल नियम है, जो इंसान की पूरी दुनिया बदल सकता है। मन की बात कह मन में रखने के बजाए कह देनी चाहिए। उसे हम भीतर न दबायें। चिट्ठी लिखें तो भेज भी दें। बहुत देर होने से पहले ही कह भी दें और याद रखें कि जीवन में मिले लोगों और ईश्वर की कृपाओं के प्रति अपना प्रेम और आभार बिना झिझक जताते रहें। हमारा हृदय आधुनिक स्मार्ट फोन की टच-स्क्रीन की तरह का है। इसे टच करते रहें, छूते रहें, मन को सहलाते रहें, दुलारते रहें तो प्रेम बना रहेगा, रिश्तों की मिठास बनी रहेगी। मां-बाप की व्यस्तता के बीच अकेलेपन से जूझ रहे बच्चे जब अपने मन की बात किसी को नहीं कह पाते तो गलत राहों पर मुड़ जाते हैं।

मोबाइल फोन, इंटरनेट और गलत संगत उन्हें किसी भी ऐसी दिशा में धकेल सकती है जहां बाद में सिर्फ पछतावा ही हाथ लगता है। बच्चे की भावनाओं को समझें, उसे बोलने का मौका दें, गलतियां करने और सीखने का मौका दें। बच्चे का ध्यान रखें, उसका उत्साह बढ़ाएं, उसे सही समय पर मार्गदर्शन दें पर कठोर न बनें, अनुशासन ऐसा न हो कि वह बंदिश बन जाए। कभी-कभार उसे मनमानी भी करने दें, मन का गुबार निकलता रहे, उबाल निकलता रहे तो कुकर प्रेशर फटता नहीं। हमें याद रखना चाहिए कि मन बहुत कोमल है, टच-स्क्रीन की तरह संवेदन शील है, इसे टच करते रहिए, खुशियां बांटते रहिए और खुद भी खुश रहिए। इसी में जीवन की सार्थकता है।

योग यात्रा

दैनिक अर्थ प्रकाश

'योग' परमपिता परमात्मा तक पहुंचने का दिव्य मार्ग है यह परमात्मा से प्रवाहित होकर हम मनुष्यों तक पहुंचा है। भगवान शिव को 'आदियोगी' तथा श्री कृष्ण को 'योगीराज' कहा जाता है। जब हम भगवान शिव का ध्यान करते हैं तो गहन समाधि में निमग्न, असीम शांति देती हुई आदियोगी की छवि ही दिखाई देती है और जब हम श्री कृष्ण का ध्यान करते हैं तो केवल आनंद में मग्न लीलाएं करते आनंद बिखरते परम पुरुष की छवि ही दिखाई देती है जिनको देखने मात्र से हम दुःख से एक क्षण को परे हो जाते हैं। जहां एक ओर आदियोगी स्वयं किसी परमात्मा की साधना करते दिखाई देते हैं वहीं योग के दिव्य ज्ञान को श्रीकृष्ण ने अर्जुन के साथ प्रश्नोत्तर रूप में प्रकट किया, जो 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में समस्त मानवता का पथप्रदर्शन कर रहा है। जिसमें एक साधारण मनुष्य के मन में उठने वाले सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। जब हमारे आराध्य स्वयं साधना में रत रहते हैं तो हम मनुष्यों की तो बात ही क्या है। आदियोगी शिव ने मत्स्येंद्र नाथ जी को योग की दीक्षा दी। गुरु मत्स्येंद्र नाथ जी द्वारा होता हुआ हठ योग गुरु गोरखनाथ जी तक पहुंचा। गुरु गोरक्षनाथ, महर्षि पतंजलि और इसके बाद बहुत से ऋषि महर्षि और गुरुओं ने इसे साधारण मनुष्यों के लिए सर्व सुलभ और सर्व ग्राही बनाया। योग की 2 परंपराएं हैं भगवान शिव से हठ योग तथा भगवान विष्णु से राजयोग। एक तीसरा है भक्ति योग जो सभी मनुष्यों के लिये परम सरल है। वे व्यक्ति जिन्हें पूर्व के दोनों योग मार्ग कठिन जान पड़ते हैं वे भक्तिमार्ग के द्वारा परमात्मा तक पहुँच सकते हैं। साधनों के भेद से योग को 1 राजयोग अर्थात ध्यान योग , 2 ज्ञानयोग अर्थात सांख्य योग, 3 कर्म योग अर्थात निष्काम कर्म आनासक्तियोग, 4 भक्ति योग, 5 हठ योग आदि श्रेणियों में विभक्त किया गया है ।

वस्तुतः ये योग परमात्मा को पाने या यों कहें की परमात्मा तक पहुंचने के मार्ग हैं हमारे सभी ग्रंथों में यही वर्णन मिलता है और हमारे ऋषियों ने इसी यात्रा को पूरी करने के लिए बहुत से ग्रंथ लिख डाले जिन्हें पढ़कर हम वास्तविक स्थिति को जान सकते हैं कि हम इस यात्रा में कहां तक पहुंचे हैं अथवा हम ने स्वयं को कितना सार्थक बनाया है कि हम योग के मार्ग पर चल सके या अभी हम तन और मन से इस यात्रा से बहुत पीछे हैं। इस योग यात्रा की हमने कितनी तैयारी की है।

यदि आपको एहसास होता है कि आप सभी के लिए निर्मल हृदय रखते हैं तथा कुछ है आपके आसपास जो हर पल आपकी सहायता करता रहता है तो आप

योग के सही मार्ग पर हैं। अन्यथा सर्वप्रथम अपने मन को स्वच्छ और निर्मल कीजिए। यह भक्ति मार्ग है जिसमें आप शनैः शनैः स्वयं आगे बढ़ते रहते हैं ।

श्रीमदभगवद्गीता

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति।।6.30।।

भावार्थः जो साधक मुझे सर्वत्र देखता है और सम्पूर्ण जगत को मुझमें देखता है, वह मुझसे कभी अलग नहीं होता और मैं उससे कभी अलग नहीं होता।

योग का बहुत प्रचलित मार्ग है 'हठ योग'। जैसा कि नाम से ही प्रतीत होता है कि हठपूर्वक इस मार्ग पर चल पड़ना। कठिन साधना के द्वारा योग को प्राप्त हो जाना। घेरंड संहिता में 'महर्षि घेरंड' ने हठयोग के 7 अंगों (साधनों) का वर्णन किया है, जिसे 'सप्तांग योग' या 'घटस्थ योग' कहा जाता है।

ये सात अंग निम्नलिखित हैं-

षट्कर्म (शोधन): शरीर को शुद्ध और रोगमुक्त करने के लिए 6 क्रियाएं (धौती, बस्ती, नेति, त्राटक, नौली और कपालभाति)।

आसन (दृढ़ता): शरीर को मजबूती और स्थिरता प्रदान करने वाले विभिन्न शारीरिक अभ्यास।

मुद्रा (स्थिरता): मन की स्थिरता और ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली मुद्राएं।

प्रत्याहार (धैर्य): इंद्रियों को बाह्य विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना।

प्राणायाम (लाघव - हल्कापन): श्वास-प्रश्वास के नियंत्रण द्वारा प्राण ऊर्जा को बढ़ाना।

ध्यान (प्रत्यक्ष): मन को एकाग्र करके ईश्वर या आत्मा का साक्षात्कार करना।

समाधि (निर्लिप्तता): परम अवस्था की प्राप्ति, जहाँ साधक सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है।

महर्षि घेरंड के अनुसार, इन 7 अंगों के निरंतर अभ्यास से साधक का शरीर, मन और आत्मा परिपक्व होकर मोक्ष प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं।

महर्षि पतंजलि के 'योगसूत्र' में योग के आठ अंग बताए गए है। ये आठ अंग निम्नलिखित हैं-

यमः नैतिक और सामाजिक अनुशासन (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह)।

नियमः व्यक्तिगत और आंतरिक अनुशासन (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्राणिधान)।

आसनः शारीरिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए विभिन्न शारीरिक मुद्राएं।

प्राणायामः श्वास-प्रश्वास को नियंत्रित करने की श्वास प्रक्रिया।

प्रत्याहारः इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना।

धारणाः मन को किसी एक वस्तु या विचार पर केंद्रित करना (एकाग्रता)।

ध्यानः बिना किसी व्यवधान के निरंतर मन को शांत और केंद्रित रखना।

समाधिः ध्यान की सर्वोच्च अवस्था, जहाँ साधक और ईश्वर (परमात्मा) एक हो जाते हैं।

योग के साधक इन अंगों के परिचय द्वारा स्वयं को जान सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में है और किस स्थिति तक उन्हें पहुंचना है। योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाना ही नहीं है वरन् स्वयं को ईश्वर में एकाकार कर लेना, आत्मा को उस परमात्मा में लीन करना ही वास्तविक 'योग' है। यह वह स्थिति है जहां 'मैं' शेष नहीं रहता सब 'ईश्वर' हो जाता है।

– सपना 'अनुश्री'

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

पुस्तकीय ज्ञान से दूर अस्तित्व का संघर्ष जरूरी है

चंडीगढ़। शिक्षा मात्र शिक्षा न होकर व्यावहारिक शिक्षा होनी चाहिए। व्यक्ति अगर पीएचवी तक भी पढ़ गया है और उसे अपने छोटे-बड़े दूर और नजदीक लोगों से व्यवहार करना नहीं आता, बात करनी नहीं आती, तो शिक्षा अपने आप में अपूर्ण है। आज के युग में हर व्यक्ति दूसरे से आगे बढ़ना चाहता है और आगे बढ़ने के लिए छोट-छोटे सिद्धांत जो महत्व में बहुत बड़े होते है। हमारे जहन में बहुत बड़े होते हैत्र हमारे जहन में घर नहीं करते। उन्हें हमें साथ रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1837 क्वीन विक्टोरिया मात्र 18 साल की उम्र में ब्रिटेन की महारानी बनी। 1901 तक वे इस पद पर रहीं।

1840 सैमुएल मोर्स को टेलीग्राफ का पेटेंट मिला था।

1858 ग्वालियर के किले पर ब्रिटिश सेना का कब्जा और इसके साथ ही सिपाही विद्रोह का अंत हुआ।

1873 भारत में वाई.एम.सी.ए. की स्थापना।

1887 मुंबई स्थित विक्टोरिया टर्मिनस (छत्रपति शिवाजी टर्मिनस) लोगों के लिए खुला। आज यह देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है।

1895 कैरोलिना विलर्ड बाल्डविन ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से पीएचडी की। किसी अमेरिकी यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने वाली वे पहली महिला हैं।

बोल ब्यूटीफुल

अश्विनी उपाध्यायः कानून अच्छा है इसलिए चीन, जापान, सिंगापुर जैसे देशों में किसी के मकान-दुकान में भी सामान्य तौर पर चोरी नहीं होती है। कानून घटिया है इसलिए मकान-दुकान ही नहीं, बल्कि भारत के मंदिर में भी चोरी होती है।

भारत की नई कृषि यात्रा : फसल से आगे, समृद्धि की ओर

दैनिक अर्थ प्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारतीय कृषि एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। पहले हमारी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि देश में अनाज की कमी न हो, किसी तरह भूख से बचाव हो जाए। आज मोदी जी की दूरदर्शिता और किसान-हितैषी नीतियों ने कृषि को सिर्फ 'उत्पादन का क्षेत्र' नहीं रहने दिया, बल्कि किसान की समृद्धि, जोखिम-सुरक्षा, पोषण सुरक्षा, हरित तकनीक और ग्रामीण विकास का समन्वित आधार बना दिया है। हरित क्रांति के बाद पहली बार नीतियों का फोकस केवल 'कितना उत्पादन' पर नहीं, बल्कि 'किसान की वास्तविक आय कितनी, खेती कितनी टिकाऊ, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था कितनी मज़बूत' पर आ गया है। इसी सोच से दलहनङ्कतिलहन मिशन, कॉटन मिशन, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धनङ्कधान्य कृषि योजना, खेत बचाओ अभियान, डिजिटल कृषि और शोधङ्कनवाचार; सबको एक ही व्यापक दृष्टि से जोड़ा जा रहा है।

उत्पादन से आगे-आय, सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाः आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में 3765.63 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। धान, गेहूँ, मक्का, दालें और तिलहन- सभी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। यह केवल ज्यादा पैदावार नहीं, बल्कि कुल ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए विस्तार और मजबूती का प्रमाण है। साथ-साथ, मोदी सरकार ने किसान की जोखिम-सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) के तहत अब तक 22 किस्तों के माध्यम से किसानों के खातों में सीधे 4.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता पहुँच चुकी है, जिससे 9 करोड़ से ज़्यादा किसान परिवारों को हर साल नियमित आय-समर्थन मिलता है। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) ने देशभर में करोड़ों किसान-आवेदनों को कवर करते हुए फसल के नुकसान की स्थिति में एक मज़बूत बीमा कवच दिया है। सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, कृषि-अवसंरचना, वेयरहाउस और कोल्ड-चेन में निवेश ने उत्पादन, भंडारण और बाज़ार तक पहुँच- तीनों को मजबूत किया है। कृषि अब सिर्फ खेत की मेड़ तक सीमित नहीं है। डेयरी, मत्स्य, कुक्कुट, बागवानी, मधुमक्खी-पालन, खाद्य-प्रसंस्करण, भंडारण, ग्रामीण उद्योग, सौर ऊर्जा और सेवा-क्षेत्र; सब मिलकर नई ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

दलहन, तिलहन और कॉटन मिशन-आत्मनिर्भरता और मूल्य-सुरक्षाः लंबे समय तक दालें, खाद्य तेल और कपास-तीनों क्षेत्र हमारी पूरी क्षमता से पीछे रहे। हम दालों और तेलों के लिए आयात पर निर्भर रहे और कपास में भी किसानों को वैश्विक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। मोदी सरकार ने इन तीनों को रणनीतिक प्राथमिकता देते हुए अलग-अलग मिशन के रूप में आगे बढ़ाया है। राष्ट्रीय दलहन मिशन के माध्यम से तुअर, उड़द, मसूर, चना और अन्य दालों का क्षेत्र और उत्पादकता बढ़ाने के लिए बीज से लेकर बाज़ार तक पूरी वैल्यू चेन पर काम हो रहा हैङ्क उच्च-उपज किस्में, क्लस्टर आधारित खेती, प्रसंस्करण इकाइयाँ, MSP का सुदृढ़ ढाँचा, सरकारी खरीद, भंडारण और निर्यात तक। लक्ष्य यह है कि भारत दालों में पूरी तरह आत्मनिर्भर बने, आयात बिल घटे और किसानों को उच्च मूल्य वाली इन फसलों से स्थायी आय मिले। इसी तरह तिलहन मिशन के ज़रिए सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल और पाम ऑयल जैसी फसलों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यह केवल पैदावार बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता, किसानों को बेहतर दाम और देश की तेल सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में व्यापक रणनीति है। इसके साथ-साथ कॉटन मिशन के तहत कपास की उच्च-उपज और कीट-रोधी किस्में, उन्नत कृषि-प्रणालियाँ, कीट-प्रबंधन, फसल विविधीकरण, टेक्सटाइल वैल्यू-चेन से

बेहतर जुड़ाव और गुणवत्ता सुधार पर काम हो रहा है। कपास भारत के लाखों किसानों के लिए नकदी फसल है; मिशन का उद्देश्य है कि किसान को उत्पादन के साथ-साथ वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा योग्य गुणवत्ता, बेहतर मूल्य और स्थिर आय भी मिल सके।

प्राकृतिक खेती मिशन- 1 करोड़ किसान, 75 लाख हेक्टेयर की नई राहः तेज़ी से बढ़ती रासायनिक निर्भरता, मिट्टी की थकान और भूजल पर दबाव- ये सब हमें आगाह कर रहे हैं कि खेती के तरीके बदलने होंगे। इसी समझ के साथ हमारे विजनरी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती को एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए सेंसिटाइज़ किया जाए, उनमें से लगभग 18 लाख किसानों को सक्रिय रूप से प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए तैयार किया जाए और चरणबद्ध रूप से करीब 75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के दायरे में लाया जाए।

यह परिवर्तन धीरे-धीरे, वैज्ञानिक प्रमाणों और किसानों के अपने अनुभव के आधार पर आगे बढ़ रहा है। छोटे किसानों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपनी कुछ भूमि पर प्राकृतिक खेती का मॉडल बनाकर देखें; उन्हें प्रशिक्षण, स्थानीय संसाधनों पर आधारित पैकेज, प्रमाणन, ब्रांडिंग और बाज़ार-जुड़ाव में मदद दी जा रही है। उद्देश्य यह है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़े, रासायनिक लागत घटे, जलवायु झटकों के सामने फसलें अधिक टिकाऊ हों और उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यप्रद, पोषक भोजन मिल सके।

प्रधानमंत्री धनङ्कधान्य कृषि योजना और फोकस में 100 कम उत्पादन वाले जिलेः भारत जैसे विशाल देश में कुछ क्षेत्र बहुत तेज़ी से आगे बढ़ते हैं, जबकि कुछ जिले अलग-अलग वजहों से पीछे रह जाते हैं। इस असमानता को कम करने के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की संकल्पना की गई है। इस योजना के तहत लगभग 100 कम उत्पादन वाले ज़िलों की पहचान की गई है, जहाँ प्रति हेक्टेयर पैदावार राष्ट्रीय औसत से काफी कम है और किसान अपेक्षित लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इन ज़िलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं का कन्वर्जेन्स कर एक समग्र पैकेज दिया जा रहा है- सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, बीज, उर्वरक, फसल विविधीकरण, पशुपालन, बागवानी, कृषि-उपकरण, कौशल विकास, अवसंरचना और बाज़ार-जुड़ाव; सबको एक साथ जोड़कर। सोच यह है कि योजनाएँ अलग-अलग 'साइलो' में न चलें, बल्कि किसान के खेत और गाँव को केंद्र में रखकर सब मिलकर काम करें। इससे नीति का फोकस केवल 'कितना उत्पादन' से आगे बढ़कर इस पर आया है कि कहाँ उत्पादन कम है, वहाँ लक्षित निवेश और प्रयास से कैसे बढ़ाया जाए, और उससे किसान की आय कैसे ऊपर उठे।

खेत बचाओ अभियान- मिट्टी, पानी और किसान का संतुलनः उत्पादन बढ़ाने की दौड़ में कई जगहों पर मिट्टी और पानी पर दबाव बढ़ा है। असंतुलित उर्वरक उपयोग, भूजल का अत्यधिक दोहन और सीमित फसल चक्र ने खेत की सेहत को प्रभावित किया है। यदि समय रहते दिशा न बदली जाए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हम कमजोर खेत और थकी हुई मिट्टी छोड़ेंगे। इस चुनौती को देखते हुए 'खेत बचाओ अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान केवल मिट्टी बचाने का नहीं, बल्कि किसान की आय, भोजन की गुणवत्ता और भविष्य की खाद्य सुरक्षा की रक्षा का अभियान है। इसके पाँच मुख्य संदेश हैं- हर किसान मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करे, डीएपी और यूरिया पर अत्यधिक निर्भरता कम करे और संतुलित NPK, सूक्ष्म पोषक तत्व, जैव एवं नैनो उर्वरकों को अपनाए, हरी खाद, जैविक खाद और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दे, नकली बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के विरुद्ध सतर्क रहे और प्रशासन को तुरंत सूचना दे तथा प्राकृतिक खेती और जलवायु×अनुकूल पद्धतियों की ओर संगठित रूप से बढ़े। लक्ष्य यह नहीं कि उर्वरक अचानक कम कर दिए जाएँ, बल्कि यह है कि हर किसान सही मात्रा, सही समय और सही मिश्रण का उपयोग करे, ताकि मिट्टी की सेहत लंबे समय तक बनी रहे, लागत घटे और उत्पादन भी सुरक्षित रहे।

जब खेत बचेगा, तब किसान बचेगा। जब किसान बचेगा, तब कृषि बचेगी और जब कृषि बचेगी, तब भारत का भविष्य सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यही हमारी नई कृषि यात्रा का सार हैङ्क फसल से आगे, किसान के विश्वास और ग्रामीण भारत की समृद्धि की ओर।

-शिवराज सिंह चौहान

(लेखक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री हैं।)

1 करोड़ से सेक्टर-46 की सड़कों के किनारे लगेगे पेवर ब्लॉक - कर्व / चैनल्स बदलने से सेक्टर की बदलेगी सूरत

एरिया पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने एक करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू करवाए

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, वीरेन्द्र सिंह। चंडीगढ़ नगर निगम के वार्ड नंबर-34 के पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने जतिंदर भाटिया जी, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन गुप्ता, डिंपल चावला तथा गुरुद्वारा साहिब सेक्टर-46 डी के प्रधान कुलदीप सिंह जी की उपस्थिति में सेक्टर-46 में सड़कों के किनारे लगे पुराने पेवर ब्लॉकों और कर्व - चैनल्स को बदलने का काम शुरू करवाया । इस परियोजना पर लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे सेक्टर की आधारभूत सुविधाओं और सौंदर्यीकरण को नया रूप मिलेगा।

पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने बताया कि सेक्टर-46 की ए, बी, सी और डी की वी-5 सड़कों के किनारे लगे पुराने और क्षतिग्रस्त पेवर ब्लॉकों तथा कर्व - चैनल्स को हटाकर उनकी जगह 60/40 रेशियो से पेवर ब्लॉकों तथा कर्व - चैनल्स लगाए जाएंगे। इससे जहां महिलाओं, बच्चों खासकर बुजुर्गों को सड़क किनारे पैदल चलने में अधिक सुविधा होगी इसके साथ ही सड़कों किनारे बरसाती पानी की निकासी के प्रबंध भी और मजबूत होंगे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से स्थानीय निवासी इन ब्लॉकों की खराब स्थिति के कारण आने-जाने में परेशानी का सामना कर रहे थे। पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने बताया कि वार्ड में लोगों की जरूरतों और सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उनका कहना है कि सड़कों के किनारों को मजबूत और व्यवस्थित बनाने से न केवल क्षेत्र का स्वरूप बेहतर होगा, बल्कि पैदल चलने वालों को भी सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि नए पेवर ब्लॉक लगाने से सड़क किनारों की मजबूती बढ़ेगी और बारिश या नियमित उपयोग के कारण होने वाले नुकसान की संभावना भी कम होगी। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी बेहतर तरीके से सामने आएगा। स्थानीय निवासियों ने इस कार्य की शुरुआत का स्वागत किया और वार्ड में लगातार किए जा रहे विकास कार्यों के लिए पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी की सराहना की। नगर निगम द्वारा शुरू किया गया यह कार्य आने वाले समय में सेक्टर-46 की सड़कों को अधिक व्यवस्थित, आकर्षक और लोगों के लिए सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मोके पर रेजिडेंट वेलफेयर फोरम 46 डी चंडीगढ़ के प्रेसिडेंट पवन कुमार गुप्ता, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दलजीत सिंह सोढ़ी, जनरल सेक्रेटरी तरनजीत सिंह चावला, फाइनेंस सेक्रेटरी मोहन लाल ग्रोवर, वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट के.सी. सचदेवा और

जॉइंट सेक्रेटरी एल.एस. चतुर्वेदी सहित वार्ड के अन्य माननीय लोग गैबी बाई जी, एसएस ग्रेवाल, राज कुमार गोयल, संजीव, कृष्ण अरोड़ा मुसाफिर, सुदर्शन बत्रा, कर्नल दलजीत बिंद्रा, सुशील सोवत तथा राजेश विमल भी हाजिर थे।

ग्रीनको समिट 2026: उद्योगों को नेट-जीरो और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए CII की तीन नई पहल

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली / नई दिल्ली, 18 जून। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के ग्रीनको काउंसिल द्वारा भारत मंडपम में आयोजित ग्रीनको समिट 2026 में उद्योग, नीति-निर्माताओं और पर्यावरण विशेषज्ञों ने भारत को नेट-जीरो और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने पर चर्चा की। सम्मेलन की थीम 'स्केलिंग नेट जीरो एंड सर्कुलैरिटी- कमिटमेंट, इनोवेशन, कोलैबोरेशन' रही। CII के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने कहा कि स्थिरता अब केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि व्यवसाय की दीर्घकालिक सफलता का आधार है। वहीं जमशेद एन. गोदरेज ने कहा कि डीकार्बोनाइजेशन आज आर्थिक आवश्यकता बन चुका है और उद्योगों को हरित ऊर्जा व नवाचार अपनाना होगा। समिट में तीन नई पहल—CII मैटेरियल सर्कुलैरिटी गाइडलाइंस एवं सर्टिफिकेशन, ग्रीन सप्लाई चेन कोएलिशन (ऑटोमोबाइल सेक्टर) और CII हीट पंप अलायंस—लॉन्च की गईं। इनका उद्देश्य संसाधन दक्षता बढ़ाना, सप्लाई चेन को टिकाऊ बनाना, स्कोप-3 उत्सर्जन कम करना और ऊर्जा दक्ष तकनीकों के जरिए औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देना है। विक्रम कसबेकर ने कहा कि अब उद्योगों को संकल्प से आगे बढ़कर मापनीय परिणाम देने होंगे। वहीं UNIDO इंडिया के निदेशक डॉ. क्रिस्टियानो पासिनी ने कहा कि भारत टिकाऊ विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का सफल मॉडल बनकर उभर रहा है। ग्रीनको पहल से वर्तमान में 27 से अधिक क्षेत्रों की 1600 से अधिक कंपनियां जुड़ी हुई हैं। नई पहलों के साथ CII ने उद्योगों को अधिक टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

न्यूज ब्रीफ

श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व पर सीएसआईओ-सीएसआईआर सेक्टर-30 के स्टाफ ने लगाई मीठे जल की छबील

अर्थ प्रकाश/चंडीगढ़/वीरेन्द्र सिंह। पांचवें पातशाह, शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व के अवसर पर सीएसआईओ-सीएसआईआर सेक्टर-30, चंडीगढ़ के स्टाफ द्वारा आज संस्थान परिसर के बाहर श्रद्धा और सेवा भावना के साथ मीठे जल की छबील लगाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राहगीरों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों को मीठा जल और प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में सीएसआईओ-सीएसआईआर के निदेशक डॉ. शांतनु भट्टाचार्य तथा आईएसटीसी के प्रिंसिपल डॉ. संजीव वर्मा ने भी सहभागिता करते हुए गुरु साहिब की शिक्षाओं को मानवता, सेवा और त्याग का संदेश बताया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु अर्जन देव जी का जीवन समाज को सेवा, सहनशीलता और मानव कल्याण के लिए प्रेरित करता है। इस सेवा कार्य में संस्थान के अन्य स्टाफ सदस्य एम.पी. सिंह, हरचरण सिंह, अमरीक सिंह, कर्मवीर सिंह, स्वरजीत सिंह, राकेश कुमार, गुरप्रीत सिंह, बलजीत सिंह तथा नरेंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने पूरे श्रद्धाभाव से सेवा निभाई। छबील के दौरान लोगों को ठंडा मीठा जल और प्रसाद वितरित किया गया तथा गुरु साहिब के शहीदी पर्व के महत्व को याद करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया गया।

गाँव दरिया में 5 नए ट्यूबवेल लगेंगे, आज एक ट्यूबवेल का हुआ शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/चंडीगढ़-वीरेन्द्र सिंह। गाँव दरिया में पिछले काफ़ी समय से चल रही पानी की की समस्या से अब जल्द ही गाँववासियों को निजात मिलने जा रहीं हैं एरिया पार्षद बिमला दुबे ने बताया कि गाँव दरिया में कुल 5 ट्यूबवेल लगने हैं इस कार्य को लगभग 1.5 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। जिसमें आज एक ट्यूबवेल की बोरिंग का शुभारंभ गाँववासियों की मौजूदगी में भाजपा नेता हरीश चंद्र शर्मा जी ने नारियल तोड़कर किया। उन्होंने कहा कि गाँव दरिया में नए ट्यूबवेल लगने से बहुत जल्द पानी की समस्या जड़ से ख़त्म हो जाएगी। इस मौक़े पर गाँववासियों ने एरिया पार्षद बिमला दुबे जी , पूर्व डिप्टी मेयर

अनिल कुमार दुबे जी का इस ऐतिहासिक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। बिमला दुबे ने बताया कि हमारी माँग पर बहुत जल्द मौली जागरां, विकास नगर, गाँव दरिया, सुंदर नगर व आसपास के क्षेत्रों को नहरी पानी मिलने जा रहा हैं इसके लिए वह चंडीगढ़ के मेयर श्री सौरभ जोशी व निगम कमीशनर अमित कुमार व अन्य निगम अधिकारियों का आभार व्यक्त करती हैं। इस मौक़े पर चंडीगढ़ गढ़वाल सभा के प्रधान शंकर सिंह पवार, एसडीओ गुरचरण सिंह, जेपी राणा, विनय मास्टर, प्रभा सिंह, सोनिया पांडेय, हीरा देवी, पिंकी, इंदू देवी, बचन सिंह, होशियार सिंह, सजनवान सिंह, परमिंद्र नेगी, ओमप्रकाश यादव, विजय खरवार, धनंजय पासवान, शानू दुबे, जेई विनोद कुमार व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

पठानिया पब्लिक स्कूल में 'योग विद् डैड चैलेंज' का सफल आयोजन

अर्थ प्रकाश/रोहतक, सुकरमपाल 19 जून - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स-डे के उपलक्ष्य में पठानिया पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित 'योग विद् डैड चैलेंज' में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का भरपूर सहयोग और उत्साह प्राप्त हुआ। इस विशेष गतिविधि में बच्चों ने अपने पिताओं के साथ विभिन्न योगासन करते हुए अपनी सुंदर एवं प्रेरणादायक तस्वीरें विद्यालय के साथ साझा कीं। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों एवं उनके पिताओं को योग से जोड़ना तथा परिवार के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों और उनके पिताओं द्वारा भेजी गई तस्वीरों में उत्साह, समर्पण और योग के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं

है, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रभावषाली माध्यम है। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन तथा स्वस्थ जीवनशैली की आदतों का विकास करती हैं। इसके अतिरिक्त पिता और बच्चों द्वारा एक साथ योग करने से पारिवारिक संबंधों में मधुरता, आपसी विश्वास, सहयोग एवं भावनात्मक जुड़ाव को भी बढ़ावा मिलता है। यह गतिविधि बच्चों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के साथ-साथ परिवार के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत बनाती है।स्कूल निदेषक अंषुल पठानिया ने बताया कि पठानिया पब्लिक स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी रचनात्मक एवं मूल्यपरक गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। 'योग विद् डैड चैलेंज' ने स्वास्थ्य, पारिवारिक एकता और भारतीय संस्कृति के महत्त्वपूर्ण अंग योग को बढ़ावा देने का एक सशक्त संदेश समाज तक पहुँचाया है। इस अवसर पर को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांड़ा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा सभी के लिए स्वस्थ, खुशहाल एवं संतुलित जीवन की कामना की। 'स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज- योग अपनाएँ, जीवन मुस्कुराएँ।

बेसहारा बुजुर्गों के लिए उम्मीद की नई किरण बना सदभावना वृद्धाश्रम, नि:शुल्क प्रवेश की अपील

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

राजकोट। गुजरात के राजकोट-जामनगर हाईवे स्थित 'विनुभाई बचुभाई नागरेचा परिसर' सदभावना वृद्धाश्रम** ने निःसंतान, बेसहारा, बीमार और बिस्तर पर पड़े बुजुर्गों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अपील की है। संस्था का उद्देश्य ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, चिकित्सा सुविधा और परिवार जैसा वातावरण उपलब्ध कराना है, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है।

संस्था के अनुसार, लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे इस परिसर में 1400 कमरों के माध्यम से 5000 बुजुर्गों के रहने, भोजन, चिकित्सा और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। 30 एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का निर्माण क्षेत्र लगभग 20 लाख वर्ग फुट है। वर्तमान में यहां 700 से अधिक बुजुर्ग रह रहे हैं, जिनमें लगभग 400 बिस्तर पर हैं।

वृद्धाश्रम प्रबंधन ने बताया कि कैंसर के अलावा अन्य गंभीर शारीरिक बीमारियों से पीड़ित बुजुर्गों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही कोमा में पड़े बुजुर्गों तथा ऐसे बेसहारा मरीजों, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, उनके लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। संस्था का दावा है कि सभी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं और प्रवेश के लिए किसी प्रकार का शुल्क या सदस्यता नहीं ली जाती।

परिसर में 24 घंटे चिकित्सकीय निगरानी, प्रशिक्षित स्टाफ, फिजियोथेरेपी सेंटर, नियमित स्वास्थ्य जांच, आध्यात्मिक गतिविधियां, सत्संग हॉल, पुस्तकालय, गेम रूम, ऑडिटोरियम और आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बुजुर्गों की मानसिक शांति के लिए मंदिर का भी निर्माण किया जा रहा है।

सदभावना वृद्धाश्रम ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई निःसंतान, बेसहारा, गंभीर रूप से बीमार, दिव्यांग, बिस्तर पर पड़ा या कोमा में जीवन बिता रहा बुजुर्ग हो, जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, तो उसकी जानकारी संस्था को दें या उसे वृद्धाश्रम तक पहुंचाने में सहयोग करें।

अशोका यूनिवर्सिटी के नए वाइस-चांसलर बने प्रो. ऋषिकेश कृष्णन

प्रो. सोमक रायचौधरी के बाद अब प्रो. ऋषिकेश कृष्णन संभालेंगे अशोका की कमान

अर्थ प्रकाश संवाददाता/ अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

नई दिल्ली, 18 जून। अशोका यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन को अपना नया वाइस-चांसलर नियुक्त करने की घोषणा की है। वह 1 अगस्त 2026 से तीन वर्ष के शुरुआती कार्यकाल के लिए पदभार संभालेंगे। वह प्रोफेसर सोमक रायचौधरी का स्थान लेंगे, जिनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक विस्तार, संस्थागत मजबूती और वैश्विक पहचान हासिल की।

यह नियुक्ति यूनिवर्सिटी की गवर्निंग बॉडी द्वारा गठित चयन समिति की विस्तृत खोज एवं चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। प्रोफेसर कृष्णन शिक्षा, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में लंबे अनुभव के साथ इस पद पर आ रहे हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से फिजिक्स में इंटीग्रेटेड एम.एससी., स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग-इकोनॉमिक सिस्टम्स तथा आईआईएम अहमदाबाद से मैनेजमेंट एवं पब्लिक पॉलिसी में डॉक्टरेट की है। उनका शोध भारत में नवाचार और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा है।

अशोका यूनिवर्सिटी के चांसलर रुद्रांशु मुखर्जी ने कहा कि प्रोफेसर कृष्णन का शैक्षणिक और संस्थागत नेतृत्व का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। वहीं संस्थापक एवं ट्रस्टी प्रमथ राज सिन्हा ने विश्वास जताया

कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैश्विक प्रतिष्ठा की दिशा में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

अपनी नियुक्ति पर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कहा कि अशोका यूनिवर्सिटी ने अपनी स्थापना से ही शोध आधारित शिक्षा का मजबूत मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि वह फैकल्टी, छात्रों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के विकास और उसकी दीर्घकालिक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

बीजेपी स्पोर्ट्स सेल ने कराया टच रग्बी टूर्नामेंट, चंडीगढ़ यूनाइटेड ने बॉयज़-गर्ल्स दोनों वर्ग में जीता गोल्ड

अर्थ प्रकाश संवाददाता /चंडीगढ़, 19 जून (एयू)। बीजेपी स्पोर्ट्स सेल चंडीगढ़ द्वारा 'वन टीम वन ड्रीम वन नेशन' के नारे के साथ आयोजित टच रग्बी टूर्नामेंट गुरुवार को संपन्न हो गया। 16 से 19 जून तक पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-14 वेस्ट धनास में खेले गए इस टूर्नामेंट में धनास और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अंडर-19 लड़के-लड़कियों ने हिस्सा लिया।

समापन समारोह में पहुंचे जतिंदर पाल मल्होत्रा

टूर्नामेंट के अंतिम दिन बीजेपी चंडीगढ़ के अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा मुख्य अतिथि रहे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सोनू सरपंच, जिला महामंत्री राज जमवाल, मंडल अध्यक्ष देश राज, मंडल महामंत्री बिन्दर संधू, नरेश राणा, अजय कुमार, पी.सी. डोगरा, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सर्गुन अरोड़ा और फिल्म इंडस्ट्री डायरेक्टर राजवीर मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

चंडीगढ़ यूनाइटेड का दबदबा

बॉयज़ और गर्ल्स दोनों वर्गों में चंडीगढ़ यूनाइटेड ने गोल्ड मेडल जीता। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी-मेडल दिए गए। बॉयज़ और गर्ल्स वर्ग से एक-एक बेस्ट प्लेयर को 1100-1100 रुपये नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

परिणाम एक नजर में

गर्ल्स

फाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने राइजिंग स्टार को 5-0 से हराया

तीसरे स्थान के लिए- सिंह वॉरियर्स ने वेलोसिटी एफए को 5-0 से हराया

सेमीफाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने सिंह वॉरियर्स को 15-0 से, राइजिंग स्टार ने वेलोसिटी एफए को 20-0 से हराया

अंतिम स्थान- 1. गोल्ड- चंडीगढ़ यूनाइटेड, 2. सिल्वर- राइजिंग स्टार, 3. ब्रॉन्ज- सिंह वॉरियर्स

बॉयज़

फाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने गेम चेंजर्स को 10-5 से हराया

तीसरे स्थान के लिए- सिंह वॉरियर्स ने धनास ड्रीमर्स को 5-0 से हराया

सेमीफाइनल- गेम चेंजर्स ने सिंह वॉरियर्स को 10-0 से, चंडीगढ़ यूनाइटेड ने धनास ड्रीमर्स को 15-0 से हराया

अंतिम स्थान- 1. गोल्ड- चंडीगढ़ यूनाइटेड, 2. सिल्वर- गेम चेंजर्स, 3. ब्रॉन्ज- सिंह वॉरियर्स ,

पी.एस. लांबा , संयोजक, बीजेपी स्पोर्ट्स सेल, चंडीगढ़

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गूंजा स्वस्थ जीवन का संदेश

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक, सुकरमपाल 19 जून । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम %योग फॉर हेल्दी एजिंग% (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) रही, जिसके अनुरूप प्रतिभागियों को योग के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. एम. यादव, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार, शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी, अन्य कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. बी. एम. यादव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आत्मिक उन्नति का सर्वोत्तम साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने का संदेश दिया। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं,

बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं कार्यक्षमता प्रदान करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को दैनिक जीवन में अपनाकर स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। योग विशेषज्ञ डॉ. गौरव दलाल ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाता है, बल्कि तनावमुक्त जीवन और मानसिक शांति प्राप्त करने का भी प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया होंगे मुख्यातिथि

*अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एमएम कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार आयोजित

*20 जून को एमएम कॉलेज में सुबह 6 बजे आयोजित होगी पायलट रिहर्सल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फतेहाबाद, 19 जून। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग द्वारा डीसी डॉ. विवेक भारती के निर्देशानुसार स्थानीय एमएम कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा ने कहा कि योग को जीवन में अपनाकर हम केवल दीर्घायु ही नहीं, अपितु सुखायु प्राप्त कर सकते हैं तथा जीवन में उच्च लक्ष्यों की भी प्राप्ति की जा सकती है। उन्होंने बताया कि 20 जून को एमएम कॉलेज में ही सुबह 6 बजे योग दिवस की पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी।

इसके अलावा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें राज्यसभा सांसद संजय भाटिया मुख्यातिथि होंगे। इस दौरान पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, पूर्व विधायक दुड़ाराम व लक्ष्मण नापा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने जिला वासियों से 21 जून को कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उपमंडल टोहाना के योग दिवस कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार तथा उपमंडल रतिया के कार्यक्रम में रतिया विधायक जरनैल सिंह मुख्यातिथि होंगे।

प्रिंसिपल गुरुचरण दास ने कहा कि योग की हर युग में महत्ता रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी योग की जो गरिमामयी उपस्थिति हो रही है, उसमें भारत के संतों से लेकर योग मनीषियों व नागरिकों का योगदान है। उन्होंने कहा कि छात्र योग को अपनाकर अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं तथा कम प्रयासों से अधिक सफलता हासिल कर सकते हैं और तनाव से भी मुक्त हो सकते हैं।

खेल विभाग की ओर से कबड्डी कोच सुरेश कुमार ने सेमिनार में बताया कि किसी भी खिलाड़ी के खेल का स्तर सुधारने के लिए योग अत्यधिक उपयोगी है। योग से आत्मनियंत्रण का अभ्यास होता है। जीत के अति उत्साह व हार से निराशा दोनों को संतुलित किया जा सकता है। बड़े टूर्नामेंट का दबाव और तनाव को दूर किया जा सकता है, खेल के लिए एकाग्र होने में बहुत उपयोगी है।

एडवोकेट संत कुमार ने महर्षि पतंजलि द्वारा योगसूत्र के प्रतिपादन के बारे में बताया तथा गीता में भी विभिन्न अध्यायों में अष्टांग योग के वर्णन के बारे में विशेष रूप से बताया। उन्होंने यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि सभी विषयों को छुआ तथा गीता में उनके उद्धरण ,श्लोक संख्या तथा अध्यायों का विश्लेषण किया।

सेमिनार में शिक्षा विभाग से अध्यापक रमेश कुमार मानसिक तनाव को दूर करने के लिए यम, नियम,

आसन, प्राणायाम व ध्यान की उपयोगिता पर बल दिया। उन्होंने जीवन में सत्य को धारण करना, अनुशासित रहना, कर्तव्य पालन करना तथा योग को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग से हमें बाह्य परिस्थिति में विचलित नहीं कर सकतीं। ब्रह्मकुमारी संस्थान से बहन बीके सुशीला ने शरीर के साथ-साथ आत्मा के स्वास्थ्य पर भी बल दिया। उन्होंने शारीरिक आसन और प्राणायाम के साथ-साथ ध्यान की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा आत्मिक रूप से स्वयं को शक्तिशाली ऊर्जा से भरपूर बनाकर समाज में अपना योगदान देने के लिए प्रेरणा दी।

भारत/अफगानिस्तान : अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस

श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

ब्रॉड ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में भारत से केवल विराट को शामिल किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने समय के खिलाड़ियों की सर्वकालिक टेस्ट एकादश का चयन किया है। इस टीम में उन्होंने कई बड़े दिग्गजों को शामिल किया है पर इसमें भारत से केवल विराट कोहली को ही शामिल किया गया है। ब्रॉड की इस टीम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं दो श्रीलंकाई खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा हैं।

ब्रॉड ने अपनी टीम में श्रीलंका के कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी शामिल किया है। संगकारा को ब्रॉड ने उन्हें अपनी टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलाव ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को नंबर तीन पर और विराट कोहली को नंबर चार पर रखा गया है। कोहली का चयन इस एकादश में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय के रूप में अहम है, जो उनकी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखाता है।

इस एकादश में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को जगह नहीं मिली है जबकि ब्राड ने अपने खेल के अंतिम दिनों में उनके खिलाफ गेंदबाजी भी की थी। वहीं मध्य क्रम में ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को नंबर पांच पर चुना गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस को नंबर छह पर शामिल किया गया है। कैलिस इस टीम के एकमात्र ऑलराउंडर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को नंबर सात पर रखा गया है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विकेटकीपिंग कवर भी प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन को इसकी कमान सौंपी गयी है। उनका साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन देंगे। स्टेन जो अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी टीम में जगह मिली है। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन को टीम का अकेला विशेषज्ञ स्पिनर रखा गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं।

ब्रॉड की सर्वकालिक टेस्ट एकादश इस प्रकार है:

ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा (विकेट कीपर), रिकी पोंटिंग, विराट कोहली, स्टीवन स्मिथ, जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स, मिशेल जॉनसन, डेल स्टेन, मुथैया मुरलीधरन, मिशेल स्टार्क।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हराया

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के 12वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में विजेता का फैसला 19वें ओवर में हुआ। स्कॉटलैंड टीम इस मैच में एक समय जीत के करीब थी पर अंत में इंडीज टीम ने बाजी पलट दी। वेस्टइंडीज की टीम इस जीत के साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर फिसल गयी है।

इस मैच में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 153 रन बनाये। उसकी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय आधी टीम 85 रनों पर ही सिमट गयी थी पर इसके बाद नंबर-7 पर उतरीं स्टेफनी टेलर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में ही 4 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 47 रन बना दिये। इससे टीम 153 रनों तक पहुंच पाई। इसके बाद जीत के लिए मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने 51 रन बनाये पर इसके बाद जब विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम ने 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये। 74 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर एक छोर पर डटी रहीं और उन्होंने 8 चौकों की सहायता से 59 रनों की अहम पारी खेली, जिससे स्कॉटलैंड की उम्मीदें बंधी रहीं और वह मैच में बनी हुई थी। अब आखिरी ओवर में स्कॉटलैंड को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और उनके पास 2 विकेट बचे थे। वेस्टइंडीज की कियाना जोसेफ ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 9 रन दिये और 2 विकेट लिए। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड की पारी को अंतिम गेंद पर 146 रन पर समेट दिया और यह रोमांचक मुकाबला 7 रनों से जीत लिया।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें चिली को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर

आकलैंड (एजेंसी)। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम निचली रैंकिंग वाली चिली के खिलाफ स्त्रद्ध नेशंस कप सेमीफाइनल में उसी लय को कायम रखना चाहेगी ताकि स्त्रद्ध प्रो लीग में वापसी की ओर अगला कदम रख सके। भारत ने पूल ए में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मेजबान न्यूजीलैंड पूल बी में सारे मैच जीतकर शीर्ष पर रहा और दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका से खेलेगा। भारतीय टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में वापसी के लिये नेशंस कप जीतना ही होगा जिससे वह पिछले साल बाहर हो गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेने के बाद भारत प्रो लीग में सबसे नीचे रहा और नेशंस कप में खिसक गया था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप के विजेता को अगले सत्र में प्रो लीग में जगह मिलेगी।

मौजूदा रैंकिंग और फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा चिली पर भारी है। विश्व रैंकिंग में भारत नौवे और चिली 13वें स्थान पर है लेकिन आधुनिक हॉकी में रैंकिंग उतना मायने नहीं रखती। सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच शोर्ड मारिन को कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। 17वीं रैंकिंग वाली उरूग्वे को हराने के लिये भारत को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उरूग्वे ने बढत बना ली थी लेकिन दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और दीपिका सोरेंग ने फील्ड गोल

करके भारत को जीत दिलाई।

ड्रैग फ्लिकर दीपिका शानदार फॉर्म में है और चार गोल कर चुकी है। नवनीत कौर, कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी भी एक एक गोल कर चुके हैं । भारत के लिये एकमात्र फील्ड गोल दीपिका सोरेंग ने किया है। भारत को अगले मैचों में और फील्ड गोल करने होंगे । इसके लिये फॉरवर्ड पंक्ति को मौके बनाकर फिनिशिंग तक ले जाना होगा।

टी20 में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डु प्लेसी

टेक्सास । टेक्सास सुपर किंग्स टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने शुरु हुई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 41 साल के डु प्लेसी अब टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी ने ये शतक सिएटल ऑर्कास के खिलाफ लगाया था। इस मैच में डु प्लेसी की टीम 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। डु प्लेसी ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन बनाये। इससे उनकी टीम नौ गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने में सफल रही। इस शानदार पारी के साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी की उम्र अभी 41 साल और 340 दिन है।

वेस्टइंडीज से हार के बाद रोने लगी स्कॉटलैंड की डिरसी कार्टर

लंदन । स्कॉटलैंड को यहां हुए आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसमें 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दो ओवरों में खराब प्रदर्शन के कारण हार गयी। जीत के करीब पहुंचकर मिली हार से स्कॉटलैंड की टीम की एक खिलाड़ी डिरसी कार्टर डगआउट में ही रोने लगी। कार्टर रोने वाला वीडियो ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कार्टर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रनों की पारी खेली थी पर वह

19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुईं थी। अगर वह खेलती तो टीम शायद जीत जाती। 19वें ओवर की पहली गेंद पर डार्सी कार्टर आउट हुईं तो स्कॉटलैंड की उम्मीदें टूट गयीं।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर

बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया। चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए।

इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्जरलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। आज यहां खेले गये ग्रुए ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के हाथों अंतिम क्षणों में 2–1 से हारी भारतीय हॉकी टीम

रॉटरडैम । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां हुए एफआईएच प्रो लीग 2025–26 के एक रोमांचक मुकाबले में 1–2 से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम मैच में अधिकांश समय हावी रही पर अंतिम क्षणों में जर्मनी को एक गोल दागने के करण जीत मिल गयी। भारतीय टीम को मैच के 38वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग–फ्लिक के जरिए गोल कर 1–0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये थे। जिससे जर्मनी दबाव में आ गयी। वहीं भारतीय रक्षापंक्त ने जर्मन के जवाबी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपनी तेजी और बढ़ा दी हालांकि वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी। तीसरे क्वार्टर के अंत तक, भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी। जर्मनी को इस दौरान कुछ पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने उन्हें विफल कर दिया। इससे मैच में भारतीय टीम की 1–0 की बढ़त बरकरार रही। वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने कई हमले किये जिससे उसे बढ़त को दोगुना करने के अवसर मिले। पर टीम इसका लाभ नहीं उठा पायी। वहीं जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल कर मुकाबला 1–1 से बराबर कर दिया। खेल के अंतिम पलों में मैच ड्रॉ होता दिख रहा था तभी जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इसका जिसे गोल में बदलन में जैकब ब्रिला ने कोई गलती नहीं की। इस प्रकार 60वें मिनट में किये इस निर्णायक गोल से जर्मनी की 2–1 से जीत तय हो गयी। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी।

फीफा विश्वकप: रोनाल्डो का साथ नहीं दे रहा फुटबॉल

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए सबसे बुरा एहसास यह नहीं था कि उन्होंने उस टीम के खिलाफ गोल नहीं किया जिसने उनके जन्म से पहले आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था; या यह कि उनके दो प्रयास कमजोर और दिशाहीन थे; या यह कि वे टीम पर बोझ लग रहे थे। असल में फुटबॉल का उनसे प्यार खत्म होता नजर आ रहा है, गेंद उनसे दूर भाग रही है, नजरों से बच रही है और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए वापस लौट जाती थी।

बुधवार को ह्यूस्टन में पुर्तगाल का मैच छ्रक्र कांगो के साथ 1-1 से ड्रॉ रहा जिसका नतीजा रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन जैसा ही फीका था। 41 साल की उम्र में जब टीम में कई बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हों, तो हर खराब प्रदर्शन पर सवाल उठते हैं। हर खराब दिन के साथ, ऐसा लगता है कि वे अपने करियर के अंत के करीब पहुंच रहे हैं। उम्र और कम होती फुर्ती के बावजूद रोनाल्डो में अभी भी गेंद को सही जगह हिट करने और उसे अपनी मर्जी से कहीं भी ले जाने की काबिलियत है। लेकिन कांगो के खिलाफ, वे ऐसा नहीं कर पाए।

68वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो की तरफ एक 'कट-बैक' पास दिया, जो उनसे थोड़ा पीछे था। हो सकता है कि यह उनकी पसंद की जगह से एक गज दूर रहा हो, लेकिन अपने बेहतरीन दिनों में वे अपने शरीर को सही ढंग से मोड़कर सबसे अच्छी पोजीशन बना लेते थे। अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी वे हमेशा अपने शानदार बूट से गेंद को सही जगह मार देते थे। यहां, उन्होंने शॉट मारा जो 'नियर पोस्ट' से काफी दूर चला गया। उन्होंने गुस्से में मुंह बनाया, यह सोचते हुए कि उनका 'टच' (गेंद पर नियंत्रण) कैसे उनका साथ छोड़ गया।

सबसे बुरी बात यह नहीं थी कि उनका प्रयास खराब था, बल्कि यह थी कि उन्होंने ब्रूनो फर्नांडीस के पैरों के पास से गेंद छीन ली थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड का मिडफील्डर उनके बगल में था, जिसके पास ज्यादा जगह और बेहतर एंगल था। लेकिन रोनाल्डो की फितरत गोल करने में मदद करने की नहीं, बल्कि खुद गोल करने की है। जब 'टच' साथ छोड़ देता है, तो सहज समझ (instincts) भी धोखा दे जाती है। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने फर्नांडीस की जगह में दखल दिया हो।

कोचिंग स्टाफ को इस लगातार हो रही गड़बड़ी का समाधान ढूंढना होगा। छह मिनट बाद उनके खेल में आती गिरावट का एक और पक्का सबूत मिला। कॉन्सेकाओ ने एक और बेहतर कट-बैक दिया, लेकिन रोनाल्डो ने उसे गलत तरीके से मारा और गेंद दूर चली गई। शॉट जल्दबाजी में और बिना ताकत के था, शायद एक्सल तुआनज़ेबे के चैलेंज की वजह से ऐसा हुआ। लेकिन ये ऐसे पल थे जिन्होंने उन्हें शायद ही कभी परेशान किया हो। वे पैरों के बीच से भी गोल कर सकते थे, शर्ट खींचने वालों और चालाकी से गेंद छीनने वालों से बेपरवाह होकर, उन्हें ताकत और चतुराई से पछाड़ देते थे। यहां, वे परेशान थे, शक से घिरे हुए थे।

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका करियर अटूट आत्मविश्वास पर बना था, अब खुद पर ही शक करने लगा है। शायद यही उनकी परेशानी की जड़ है - खुद पर इतना पक्का भरोसा कि वे अपनी कमजोर होती काबिलियत की सच्चाई को देख ही नहीं पा रहे हैं। रोनाल्डो अब वो नहीं रहे जो वे खुद को समझते हैं।

वे अभी भी अद्भुत रूप से फिट हैं, और उनमें वर्ल्ड चैंपियन बनने का जबरदस्त जुनून है - एक ऐसा खिताब जो उन्होंने कभी नहीं जीता। लेकिन वे उस महान खिलाड़ी का मजाक बना रहे हैं जो वे कभी हुआ करते थे। वे एक हेवी मेटल बैंड के बूढ़े लीड सिंगर की तरह हैं जो अपने अतीत की भारी-भरकम शान में जी रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि उनकी आवाज अब लड़खड़ा रही है।

जब वे गोल नहीं कर पाते, तो वे टीम के लिए बोझ बन जाते हैं - वे न तो क्रिएटिव काम में शामिल होते हैं और न ही डिफेंस में, उनका प्रभाव का दायरा सीमित हो जाता है। कुछ आंकड़े उनके खराब खेल को दिखाते हैं। उन्होंने 90 मिनट में सिर्फ 20 पास दिए, जो खेल में तेरहवें नंबर पर थे। डिफेंस में उनका योगदान सिर्फ एक था। आगे बढ़ने वाले एक्शन सिर्फ दो थे। वे कभी-कभी लिंक-अप प्ले के लिए पीछे आते थे लेकिन अपने साथियों की रफ़्तार का मुकाबला नहीं कर पाते थे। उनकी सुस्ती पूरी टीम की रफ़्तार धीमी कर रही है, जिसमें बेहतरीन अटैकर और मिडफील्ड कंडक्टर शामिल हैं।

इसके अलावा, वे कांगो की हाई लाइन के आगे घात लगाकर बैठे रहते थे, फिर अंदर आकर गेंद लेने के लिए पीछे हटते थे, और लाइन के पीछे खेले जाने वाले क्रॉस का इंतजार करते थे। उनके

साथियों ने बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी उनके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया। वे फेरारी के बीच फंसी एक पुरानी मॉरिस माइनर कार की तरह थे।

मेसी से तुलना

लियोनेल मेसी से तुलना तो होगी ही। मेसी रोनाल्डो से धीमे हैं, लेकिन वे ज़्यादा मौके बनाते हैं; उनकी जगह की समझ (स्पेशल अवेयरनेस) बेहतर है, उनके पास (गेंद दूसरे को देना) डिफेंस को भेदने वाले होते हैं, और जब उनके पैरों में ज़्यादा जान नहीं बचती, तब भी उनकी चाल-ढाल डिफेंडरों को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर देती है। मेसी के आस-पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो उम्र के साथ आई कमियों की भरपाई कर देते हैं। रोनाल्डो के आस-पास बेहतरीन टेक्नीशियन हैं, लेकिन वे उन चीजों की भरपाई नहीं कर सकते जो रोनाल्डो अब नहीं दे पाते। यही पुर्तगाल की बड़ी उलझन है। बेशक, रोनाल्डो अकेले ऐसे पुर्तगाली फुटबॉलर नहीं थे जिनका दिन बहुत खराब रहा, लेकिन टीम की मुश्किलों में उनकी भूमिका अहम थी।

पुर्तगाल के लिए खिताब की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए रोनाल्डो वाली पहेली को सुलझाना होगा। कड़े फैसले लेने होंगे कि उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल किया जाए या बुधवार को रॉबर्टो मार्टिनेज ने जितनी देर से उन्हें बदला था, उससे पहले ही बदल दिया जाए। मैनेजर ने उनका बचाव किया, जैसा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा करते आए हैं। उन्होंने कहा, 'हम क्रिस्टियानो के साथ उनकी उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि उनके लक्षणों और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, उसके हिसाब से व्यवहार करते हैं।' हालाँकि, असल स्थिति कुछ और ही कहती है। ऐसा लगता है जैसे फुटबॉल का उनसे मोहभंग हो गया है। फुटबॉल के ऐसा करने से पहले ही पुर्तगाल को इसका कोई समाधान ढूंढ लेना चाहिए।

डब्ल्यूटीसी में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने रुट

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे किकेट टेस्ट क्रिकेट में अपनी 46 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। रुट अपनी इस पारी के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पता चलता है कि टेस्ट में रुट के प्रदर्शन में कितनी निरंतरता है। उनकी करीब कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं है। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 4,564 रन हैं। रूट ने अपने 76वें डब्ल्यूटीसी मैच की 139वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी इतिहास में उनके नाम सबसे अधिक 23 शतक दर्ज हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्टीव स्मिथ के नाम 14 शतक हैं। रूट ने इस दौरान 51 से अधिक की शानदार औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 22 अर्धशतक और 262 रन का अधिकत स्कोर भी शामिल है। रूट मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल (चैंपियनशिप चक्र) में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने महज 8 मैचों में 79.16 की बेमिसाल औसत से 950 रन बनाए हैं। इस चक्र में रूट और गिल दोनों के नाम संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 5–5 शतक दर्ज हैं।रुट की निरंतरता जबरदसत है। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन से ही जमकर रन बना रहे हैं। 2023–25 चक्र में 22 टेस्ट मैचों में 54.66 की औसत से 1,968 रन बनाकर वह शीर्ष स्कोरर रहे थे।

जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र तैयार की जाए कार्ययोजना : मुख्यमंत्री योगी

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एचबीटीयू परिसर में संयुक्त आयुक्त कार्यालय के उद्योग सभागार में लोक निर्माण विभाग की बैठक ली। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा की तथा कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों से विकास संबंधी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, इटावा, औरैया तथा फर्रुखाबाद जनपदों के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विकास आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक एवं विकासगत आवश्यकताओं की गहन जानकारी होती है। ऐसे में उनके सुझावों एवं प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर संकलित कर शासन को शीघ्र कार्ययोजना प्रेषित की जाए, जिससे आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान कर समयबद्ध रूप से कार्य प्रारंभ कराया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग की सड़कों को क्षति पहुंचाने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं से नियमानुसार क्षतिपूर्ति की वसूली सुनिश्चित की जाए। सड़कों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जनहित से जुड़ीं परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान करने तथा समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, राज्य राजमार्गों, दीर्घ एवं लघु सेतु, आरओबी/आरयूबी,

धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों, फ्लाईओवर तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा निर्धारित वरीयता क्रम के अनुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर समयबद्ध, समन्वित एवं पारदर्शी कार्रवाई की जाए। विकास परियोजनाओं के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में संबंधित जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी तथा प्रत्येक परियोजना को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि कानपुर नगर से 5,523 करोड़ रुपये लागत की 344 परियोजनाओं, कन्नौज से 2,058 करोड़ रुपये की 217 परियोजनाओं, फर्रुखाबाद से 2,016 करोड़ रुपये की 339 परियोजनाओं, कानपुर देहात से 1,581 करोड़ रुपये की 387 परियोजनाओं, औरैया से 439 करोड़ रुपये की 33 परियोजनाओं तथा इटावा से 104 करोड़ रुपये की 54 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कानपुर मंडल के छह जनपदों से लगभग 11,724 करोड़ रुपये लागत की 1,374 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि गत वर्ष कानपुर मंडल में 5,497 करोड़ रुपये की लागत की 2,301 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिनमें से 1,242 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं तथा शेष परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन मामलों में संबंधित फर्मों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्हें ब्लैकलिस्ट करने और एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी अपनाई जाए।

साइबर वित्तीय अपराध रोकने के लिए बैंक बनाएं विशेष एसओपी : चंद्रबाबू नायडू

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बैंकों को डिजिटल अरेस्ट, साइबर धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (सीओपी) तैयार करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से पीड़ितों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए बैंकों को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने होंगे।

सचिवालय में आयोजित 235वीं राज्य स्तरीय बैंकर समिति (SLBC) की बैठक में मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 8.10 लाख करोड़ रुपये की वार्षिक क्रेडिट योजना जारी की। इस योजना में 5.40 लाख करोड़ रुपये कृषि सहित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों तथा 2.70 लाख करोड़ रुपये अन्य क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित किए गए हैं। कृषि क्षेत्र के लिए 3.60 लाख करोड़ रुपये, जिसमें 2 लाख करोड़ रुपये

फसल ऋण के लिए निर्धारित हैं, शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ्य क्षेत्र को आसान ऋण उपलब्ध कराकर रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस क्षेत्र के लिए 1.55 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि सूक्ष्म उद्यमों के लिए 70,000 करोड़ रुपये का प्रावधान है। उन्होंने 'रतन टाटा इनोवेशन हब' के माध्यम से स्टार्टअप्स और नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा योग्य उद्यमियों को बैंकिंग सहायता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

नायडू ने एक्वाकल्चर क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि इसमें धन सृजन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि 200 मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं की खरीद के लिए प्रस्ताव पहले ही भेजे जा चुके हैं।

साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने बैंकों से 'सेंट्रल ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग सेल' स्थापित करने का सुझाव दिया, ताकि वित्तीय धोखाधड़ी की समय रहते पहचान कर उसे रोका जा सके। साथ ही उन्होंने क्रेडिट वितरण और एनपीए की निगरानी के लिए संयुक्त समिति गठित करने का भी प्रस्ताव रखा।

आकाश एजुकेशनल ने गुरु अर्जन देव की शहादत के सम्मान में छबील

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। आकाश एजुकेशनल नेपांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन देव जी की शहादत को याद करने के लिए पंजाब, चंडीगढ़ और पंचकूला में 10 जगहों पर एक छबील आयोजित की। इस ड्राइव के हिस्से के तौर पर, वॉलंटियर्स ने पंजाब में अलग-अलग जगहों पररहने वालों, आने-जाने वालों, यात्रियों और राहगीरों को छबील बांटी। इस पहलमें लोकल कम्युनिटीज़ ने बहुत हिस्सा लिया और यह हर तरह के लोगों के लिएगुरु अर्जन देव जी के इंसानियत के लिए दया और सेवा के हमेशा रहने वालेसंदेश की याद में इकट्ठा होने का एक मौका था। डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, जसदीप सिंह बाबरा ने कहा, गुरुअर्जन देव जी की शिक्षाएँ आज भी बहुत काम की हैं। उनकी शिक्षाएँ हमें अटूटविश्वास, गहरी दया और कृपा की शक्ति देती हैं। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी बराबरी और बिना किसी स्वार्थ के सेवा की। आज, आकाश इंस्टीट्यूट सभी कोआराम और दान दिखाने के लिए छबील (ठंडा और मीठा पानी बाँटना) के ज़रिएउनकी याद में सम्मान देता है। उनकी शिक्षा ने हमें सिखाया कि जब भी हम खतरेमें हों, तब भी हमें अपने खास मूल्यों पर टिके रहना चाहिए।

गोल्डन एस्टेट में अवैध निर्माण का खेल जारी

शिकायतों के बाद भी डाल दिया गया लेंटर

एक माह से नगर परिषद अधिकारियों को दी जा रही थी सूचना, स्थानीय निवासियों ने उठाए सवाल

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। बलटाना स्थित गोल्डन एस्टेट में कथित अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का आरोप है कि पिछले करीब एक महीने से बिना अनुमति बनाए जा रहे कमरों और तीसरी मंजिल के निर्माण की शिकायतें उच्च अधिकारियों और डीएम काजल को दी जा रही थीं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि जब इमारत पर तीसरी मंजिल का लेंटर डालने की तैयारी शुरू हुई थी, उसी समय उन्होंने डीएम काजल को इसकी जानकारी दे दी थी। इसके बावजूद निर्माण कार्य को रोकने के बजाय काम लगातार चलता रहा और देखते ही देखते तीसरी मंजिल का लेंटर भी डाल दिया गया। स्थानीय निवासी और

आखिर अब तक क्यों नहीं जारी हुआ कोई नोटिस?

यहां बताने योग्य बात यह है कि कथित अवैध निर्माण के बावजूद संबंधित इमारत को अभी तक नगर परिषद की ओर से कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई और विभाग की ओर से अब तक चुप्पी क्यों साधी गई है।

आरोप लगाया है जब तीसरी मंजिल का लेंटर डल ही गया उसके बाद सिर्फ खाना पूर्ति के लिए काम रुकवाया गया है।

लोगों का कहना है कि उच्च अधिकारी कार्रवाई के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं देता। उनका आरोप है कि यदि समय रहते निर्माण रुकवा दिया जाता तो अवैध निर्माण को आगे बढ़ने से रोका जा सकता था।

स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया कि आखिर शिकायतों के बावजूद अधिकारी मौके पर पहुंचकर कार्रवाई क्यों नहीं कर पाए। लोगों ने आरोप लगाया कि या तो इस पूरे मामले में लापरवाही बरती जा रही है या फिर जानबूझकर निर्माण को नजरअंदाज किया जा रहा है।

निवासियों के अनुसार, जानकारी मिली है कि इससे पहले भी इस इमारत में ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर प्रवासियों के रहने के लिए कमरे बनाए गए थे और अब तीसरी मंजिल पर भी कमरे तैयार किए जा रहे हैं।

लोगों ने आशंका जताई कि समाचार प्रकाशित होने के बाद अधिकारी केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर सकते हैं, जबकि निर्माणकर्ता पहले ही बड़ा काम पूरा कर चुका है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी तय की जाए और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की जाए।

> मेरे पास 2 दिन पहले ही इस बारे में शिकायत पहुंची है। हमने काम बंद करवा दिया है यदि दोबारा काम शुरू होगा तो नोटिस निकाला जाएगा।
>
> **काजल**
> डीएम नगर परिषद जीरकपुर

जीरकपुर में नशा तस्करी पर बड़ा प्रहार, फ्लैट में चल रहा था हेरोइन का खेल; चार आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। जीरकपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंगमा सिटी एक्सटेंशन सोसायटी के एक फ्लैट में छापा मारकर चार युवकों को हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 30 ग्राम हेरोइन, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, सिल्वर फॉयल पेपर और नशा पैक करने में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम गश्त के दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि सिंगमा सिटी एक्सटेंशन स्थित फ्लैट नंबर 566-सी में नशा बेचा जा रहा है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम ने तत्काल छापा मारा। फ्लैट के भीतर मौजूद चार युवक पुलिस को देखते ही घबरा गए और अपनी जेबों से पॉलिथीन के लिफाफे निकालकर फर्श पर फेंककर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें मौके पर ही काबू कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल निवासी रामदरबार, चंडीगढ़, अजय निवासी विकास नगर, चंडीगढ़, अमन निवासी बिजनौर (हाल निवासी रामदरबार, चंडीगढ़) और मुकेश निवासी ग्रीन वैली, घोलू माजरा, लालडू के रूप में हुई है।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत निर्धारित प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपियों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और बरामद लिफाफों की जांच की। जांच के दौरान साहिल से 8 ग्राम, अजय से 7 ग्राम, अमन से 7 ग्राम और मुकेश से 8 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। कुल 30 ग्राम हेरोइन को कब्जे में लेकर सील कर दिया गया। छापेमारी के दौरान फ्लैट की तलाशी लेने पर एक कमरे से 10 खाली पॉलिथीन पाउच, इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा और सिल्वर फॉयल पेपर भी बरामद हुआ। पुलिस का मानना है कि इन सामानों का इस्तेमाल नशे की पैकिंग और बिक्री में किया जाता था। कार्रवाई की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग ई-साक्ष्य एप के माध्यम से की गई।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना जीरकपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 29, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशा कहां से लाते थे और इसकी सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की जाती थी। जांच के दौरान नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

उत्तर भारत में पोपीज़ बेबी केयर की एंट्री, चंडीगढ़ में खोला पहला स्टोर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। बेबी केयर और बच्चों की देखभाल से जुड़े उत्पादों की अग्रणी कंपनी पोपीज़ बेबी केयर ने उत्तर भारत में अपने विस्तार की शुरुआत करते हुए चंडीगढ़ में पहला स्टोर शुरू किया है। सेक्टर-30डी स्थित मेन मार्केट के एससीओ-7 में स्थापित इस स्टोर का उद्घाटन चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने किया। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधि, ग्राहक और शहर के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नए स्टोर के माध्यम से ट्राइसिटी क्षेत्र के अभिभावकों को अब शिशुओं और छोटे बच्चों की जरूरतों से जुड़े उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। यहां नवजात शिशुओं के लिए आवश्यक सामान, 0 से 4 वर्ष तक के बच्चों के परिधान, बैम्बू फैब्रिक से बने कपड़े, डायपर, वाइप्स, शैंपू, स्नान सामग्री और ऑर्गेनिक बेबी केयर उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2003 में स्थापित पोपीज़ बेबी केयर ने सुरक्षित, आरामदायक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के बल पर देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। कंपनी के अनुसार हर उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने से पहले 28 गुणवत्ता मानकों पर परखा जाता है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शाजू थॉमस ने कहा कि चंडीगढ़ उत्तर भारत में विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। वर्तमान में दुनिया भर में कंपनी के 109 स्टोर हैं और जल्द ही जीरकपुर, करनाल तथा यमुनानगर में भी नए स्टोर खोले जाएंगे।

जियो आईपीओ का इंतजार खत्म, 27 करोड़ शेयरों तक का फ्रेश इश्यू लाएगी कंपनी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

मुंबई। देश के सबसे चर्चित IPO में से एक माने जा रहे जियो प्लेटफॉर्म्स के सार्वजनिक निर्गम की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने स्टॉक एक्सचेंजों को दी जानकारी में बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के बोर्ड ने 27 करोड़ इक्विटी शेयरों तक के फ्रेश इश्यू को मंजूरी दी है। इन शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी। इश्यू प्राइस बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए तय किया जाएगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 49वीं वार्षिक आम बैठक में चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी. अंबानी ने बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को मंजूरी दे दी है और इसे आज सेबी के पास दाखिल किया जाएगा। कंपनी ने बीएसई और एनएसई को दी सूचना में भी कहा है कि यह आईपीओ आवश्यक नियामकीय मंजूरियों के अधीन रहेगा।

एजीएम में मुकेश अंबानी ने इसे रिलायंस परिवार और उसके लाखों शेयरधारकों के लिए भावनात्मक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि रिलायंस और उसके शेयरधारकों का संबंध गर्व, विश्वास, सम्मान और साझा विकास पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता है। मुकेश अंबानी ने कहा, जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को यह दिखाएगी कि भारत वैश्विक स्तर, वैश्विक क्षमता और वैश्विक मूल्य वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को आश्वस्त करता हूं कि जियो का भविष्य और भी उज्ज्वल है। उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ष वैल्यू क्रिएशन का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर जियो का निकट भविष्य में आने वाला आईपीओ है। उनके अनुसार, यह रिलायंस शेयरधारकों के लिए बड़ा वैल्यू अनलॉक करेगा और नए निवेशकों के लिए आकर्षक निवेश अवसर पेश करेगा।

आरेडिका में अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह के अंतर्गत योग गोष्ठी एवं योग टॉक का आयोजन

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रायबरेली। अंतराष्ट्रीय योग सप्ताह के अवसर पर आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 16 जून को आरेडिका के सेंट्रल पार्क में सामूहिक योग का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा योगाभ्यास के महत्व को समझा। 17 से 19 तक योग विषयक विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, साइकिल रेस आदि किया गया छोटे-छोटे बच्चों ने योगाभ्यास किया तथा सभी को योग के लिए प्रेरित किया।

19 जून को योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आरेडिका चिकित्सालय द्वारा मानसिक

स्वास्थ्य विषय पर एक विशेष गोष्ठी एवं योग सत्र आयोजित किया गया । जिसमें डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, मंडल चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन एवं आत्मा के समन्वय का एक वैज्ञानिक माध्यम है। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करने से मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच एवं एकाग्रता में वृद्धि होती है तथा मानसिक तनाव, अवसाद एवं चिंता जैसी समस्याओं के प्रबंधन एवं रोकथाम में सहायता मिलती है।

कार्मिक विभाग के नेतृत्व एवं राजभाषा विभाग के सहयोग से योग टॉक - योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु व्यावहारिक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। योग टॉक कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. बी. के. भारद्वाज, बैसवारा डिग्री कॉलेज, लालगंज (रायबरेली) थे। उन्होंने योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। अंतराष्ट्रीय योग सप्ताह के दौरान आरेडिका में प्रतिदिन नियमित योग सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

बीआईएस ने मेसर्स कोल्हापुर हॉल मार्किंग सेंटर रोहतक हरियाणा में की छापेमारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक। ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स, हरियाणा शाखा कार्यालय ने 19 को मेसर्स कोल्हापुर हॉलमार्किंग सेंटर, रोहतक, हरियाणा में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान, मेसर्स कोल्हापुर हॉलमार्किंग सेंटर में लेज़र मार्किंग मशीनें और कंप्यूटर सिस्टम मिले, जिनमें नकली हॉलमार्क निशान बनाने से जुड़ी फाइलें थीं। लेज़र मार्किंग मशीन से जुड़े कंप्यूटर में ऐसी फाइलें मिलीं, जिनके बारे में शक है कि उनका इस्तेमाल अनधिकृत हॉलमार्क मार्किंग गतिविधियों के लिए किया गया था। इस कार्रवाई के दौरान परिसर में लगभग 55 ग्राम सोने की वस्तुएं जिन पर संदिग्ध नकली हॉलमार्क थे और 200 ग्राम चांदी की वस्तुएं मिलीं। यह तलाशी और ज़ब्ती की कार्रवाई BIS अधिकारियों की एक टीम ने की, जिसमें श्रीमती शिखा डावर (निदेशक), अनंत कुमार (उप निदेशक) और मनीष बिष्ट (सहायकनिदेशक) शामिल थे। श्रीमती मधुरिमा माधव, निदेशक एवं प्रमुख, हरियाणा शाखा कार्यालयने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो

अधिनियम, 2016के तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह अपराध BIS अधिनियम, 2016 की धारा 14(6) का उल्लंघन है। BIS अधिनियम, 2016 की धारा 29(2) के अनुसार, इसके लिए एक साल तक की जेल या कम से कम 1 लाख और सामान की कीमत का पांच गुना तक जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। BIS एक्ट के प्रावधानों के तहत सक्षम अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा।

कई बार देखा गया है कि गहनों पर नकली हॉलमार्किंग लगाकर उन्हें अनजान ग्राहकों को भारी मुनाफे पर बेचा जाता है। इसलिए, ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे खरीदारी करने से पहले BIS की वेबसाइट (http://www.bis.gov.in) या BIS केयर ऐप के ज़रिए हॉलमार्किंग की असलियत की जांच कर लें।

आम जनता से यह भी अनुरोध है कि वे किसी भी उत्पाद पर ISI मार्क या हॉलमार्किंग के गलत इस्तेमाल की जानकारी BIS, हरियाणा शाखा कार्यालय के निदेशक को इस पते पर दें।

ज़मीन के विवादों का टेक्नोलॉजी-आधारित ज़मीन के रिकॉर्ड की सुरक्षा देंगे : अनागनी सत्य प्रसाद

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। आज हमारे समाचार पत्र के प्रतिनिधि ने राज्य के 2 वर्ष होने पर विशेष प्रेस भेंट में बताया राजस्व मंत्री अनागनी सत्य प्रसाद ने बताया कि राज्य के राजस्व कानून का काफी हद तक हमने फिर बदलकर जमीन मालिकों को हक दिलाने में भारी प्रयास किया और कर भी रहे हैं कहा, इसमें राज्य की पंजी करण और स्टाम्प विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार बहुत से नए कानून बनाया हैकहा उन्होंने आगे कहा कि गलत इरादे से ज़मीन के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी की और इस प्रक्रिया में राजस्व प्रणाली को बुरी तरह निजी ज़मीनों पर कब्ज़ा कर कर लेने जैसे माहौल में असली ज़मीन मालिकों के मालिकाना हक की सुरक्षा 'कूटमी' सरकार ने पिछले दो वर्षों में राजस्व विभाग में 40 से ज़्यादा अहम सुधार लागू किए हैं। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को अपनाकर और निकट भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल करने की योजनाओं के साथ, सरकार ज़मीन के विवादों को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए लगातार काम कर रही है कहा ।

हमारा अंतिम लक्ष्य राजस्व और पंजीकरण सेवाएं इस तरह से देना है जो आसान, पारदर्शी और पूरी तरह भ्रष्टाचार-मुक्त हों।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि ज़मीन के रिकॉर्ड के साथ कोई छेड़छाड़ न हो, सरकार ज़मीन के रिकॉर्ड को सुरक्षित करने के लिए

ब्लॉकचेन सिस्टम लागू कर रही है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ज़रा सा भी बदलाव आसानी से ट्रैक किया जा सके। यह एक अभेद्य और अत्यधिक सुरक्षित सिस्टम है जिसमें हैकिंग या डेटा से छेड़छाड़ की कोई गुंजाइश नहीं है।

राजस्व और पंजीकरण विभागों को रियल-टाइम में जोड़ा गया है। 'वेबलैंड' (Webland) को पंजीकरण सॉफ्टवेयर से आसानी से जोड़कर, पंजीकरण पूरा होते ही प्रॉपर्टी म्यूटेशन (नाम का ट्रांसफर) अपने आप हो जाता है। राजस्व रिकॉर्ड तुरंत अपडेट हो जाते हैं, जिससे डबल रजिस्ट्रेशन (एक ही ज़मीन का दो बार पंजीकरण) की धोखाधड़ी वाली प्रथा प्रभावी रूप से खत्म हो जाती है।

सरकार ने आधार-आधारित बायोमेट्रिक लॉकिंग सुविधा शुरू की है। एक क्रांतिकारी कदम के तहत, किसान अब अपने फिंगरप्रिंट या वन-टाइम पासवर्ड (OTP) का इस्तेमाल करके अपनी ज़मीन को 'लॉक' कर सकते हैं। नतीजतन, मालिक की स्पष्ट सहमति के बिना ज़मीन का कोई ट्रांसफर या म्यूटेशन नहीं हो सकता। इसके अलावा, खरीदारों और विक्रेताओं की पहचान की पुष्टि करने के लिए पंजीकरण के दौरान आधार-आधारित बायोमेट्रिक ई-KYC (फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन का उपयोग करके) सख्ती से लागू किया जाता है, जिससे बेनामी और जाली पंजीकरण पूरी तरह से रुक जाते हैं।

पिछली सरकार के दौरान किए गए री-सर्वे (दोबारा सर्वेक्षण) की बड़ी गलतियों को सुधारते हुए, हमारी सरकार एक पुख्ता री-सर्वे प्रोग्राम चला रही है। सीमा विवादों को स्थायी रूप से हल करने के लिए बहुत सटीक मैपिंग के लिए ड्रोन और कंटीन्यूअस ऑपरेटिंग रेफरेंस स्टेशन (CORS) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही, सदियों पुराने ज़मीन के रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ किया जा रहा है। AI की मदद से, 2026 के आखिर तक राज्य के सभी पुराने रिकॉर्ड्स को एक पक्की डिजिटल पहचान के साथ सुरक्षित कर लिया जाएगा।

ज़मीन के रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिए, रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने अपनी सर्विस देने के तरीकों में बड़े बदलाव किए हैं। एक नया स्लॉट बुकिंग सिस्टम नागरिकों को ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा देता है। ऑफिस पहुँचने के दस मिनट के अंदर रजिस्ट्रेशन का काम पूरा हो जाता है। रजिस्टर्ड डॉक्यूमेंट तुरंत नागरिक के मोबाइल पर WhatsApp के ज़रिए भेजा जाता है, और एक घंटे के अंदर हार्ड कॉपी दे दी जाती है।

पायलटों के संगठन का दावा: अहमदाबाद में एयर इंडिया बोइंग क्रैश की वजह बिजली की खराबी थी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 19 जून। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने 12 जून, 2025 को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद एयर इंडिया बोइंग फ्लाइट एआई-171 के दुखद क्रैश से जुड़ी आधिकारिक बात को चुनौती दी है।

उनका दावा है कि नए सिम्युलेटर डेटा से पता चलता है कि क्रैश की वजह पायलट की अनदेखी नहीं बल्कि सिस्टम में बिजली की बड़ी खराबी थी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एफआईपी के प्रेसिडेंट कैप्टन सीएस रंधावा ने दावा किया कि जांचकर्ताओं ने जरूरी तकनीकी सबूतों को नजरअंदाज किया और पहले से तय नतीजे को सही साबित करने के लिए भारत के प्रमुख एविएशन एक्सपर्ट्स को जानबूझकर अलग रखा।

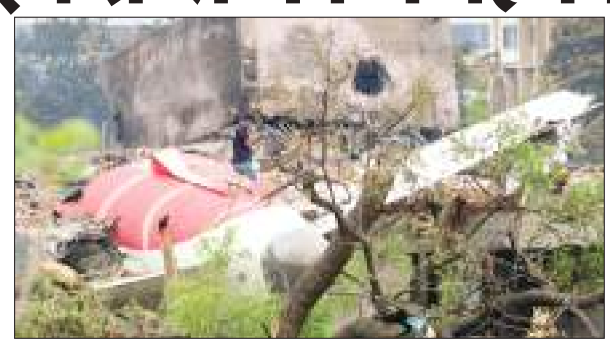

इस हादसे की आधिकारिक अंतरिम रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फ्लाइट-क्रू ने एक सोची-समझी आत्महत्या की योजना के तहत जानबूझकर इंजन की फ्यूल सप्लाई बंद कर दी थी। सरकारी जांचकर्ताओं के मुताबिक, मैन्युअल रूप से बंद करने की वजह से विमान का 'रैम एयर टर्बाइन' ठीक चार सेकेंड बाद नीचे गिर गया। 'रैम एयर टर्बाइन' एक बैकअप पावर सिस्टम है, जो पूरी तरह से बिजली जाने पर अपने आप चालू हो जाता है।

हालांकि, रंधावा ने कहा कि एफआईपी ने हाल ही में उस फ्लाइट के वजन, बैलेंस और मौसम की स्थितियों को हूबहू दोहराते हुए विस्तृत सिम्युलेटर टेस्ट किए। उन्होंने कहा कि नतीजों ने आधिकारिक टाइमलाइन को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया है।

उन्होंने कहा, 'हमारे सिम्युलेटर टेस्ट साबित करते हैं कि मैन्युअल रूप से फ्यूल बंद करने पर बैकअप टर्बाइन को नीचे गिरने में पूरे 18 सेकेंड लगते हैं। मैन्युअल शटडाउन की स्थिति में चार सेकेंड की आधिकारिक टाइमलाइन भौतिक और तकनीकी रूप से असंभव है।'

एफआईपी का तर्क है कि बैकअप टर्बाइन इतनी तेजी से इसलिए चालू हुआ क्योंकि इंजन बंद होने से पहले ही बिजली की एक बड़ी खराबी ने विमान को बेकार कर दिया था। फेडरेशन का दावा है कि इसी सिस्टम की खराबी ने इंजन स्विच को ट्रिप किया और आखिरकार विमान क्रैश हो गया।

एफआईपी ने यह भी कहा कि फ्लाइट 171 में बचे एकमात्र व्यक्ति ने बताया था कि विमान के नीचे गिरने (टर्मिनल डिसेंट) से ठीक पहले केबिन की लाइटें टिमटिमा रही थीं और धीमी हो रही थीं, यह जानकारी अचानक और बड़े पैमाने पर बिजली जाने की एफआईपी की थ्योरी से पूरी तरह मेल खाती है।

पायलटों के फेडरेशन ने कहा कि क्रैश हुए विमान का, उस घातक उड़ान से पहले बिजली की अनसुलझी समस्याओं का रिकॉर्ड रहा था।

एफआईपी ने आरोप लगाया कि सरकारी जांचकर्ताओं ने भारत के शीर्ष बोइंग 787 एक्सपर्ट माने जाने वाले कैप्टन आरएस संधू को वास्तविक जांच परीक्षणों से जानबूझकर दूर रखा।

कैप्टन सीएस रंधावा ने आरोप लगाया, 'वे हमारे सबसे अनुभवी पायलट की राय को नजरअंदाज कर रहे हैं क्योंकि उनकी जानकारी से उनकी 'पायलट के आत्महत्या' वाली थ्योरी पूरी तरह गलत साबित हो जाएगी। किसी बड़ी मैकेनिकल या सॉफ्टवेयर खराबी का सामना करने के बजाय, उन मृत पायलटों पर दोष मढ़ना आसान है जो अपना बचाव नहीं कर सकते।'

दिल्ली पुलिस ने रेप सहित कई मामलों में फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 19 जून। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम पुलिस स्टेशन की टीम ने रेप, धमकी, पीछा करने और पोक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने केस दर्ज करने के दो महीने बाद आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि 4 अप्रैल 2026 को वेलकम पुलिस स्टेशन में 21 साल की एक युवती ने शिकायत की थी। युवती ने आरोप लगाया कि 2023 में एक व्यक्ति ने पिस्तौल दिखाकर उसका यौन उत्पीड़न किया था। आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता का वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे ब्लैकमेल किया, धमकाया और बार-बार उसका यौन शोषण किया। उसने ट्यूशन क्लास के दौरान पीड़िता का पीछा भी किया और उसे तथा उसके परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

शिकायत के आधार पर, वेलकम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान और विस्तृत पड़ताल में पता चला कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी। इसलिए मामले में पोक्सो एक्ट की धारा 6 भी जोड़ी गई।

केस दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार था। उसके संभावित ठिकानों पर कई बार छापेमारी की गई और तकनीकी निगरानी, सीडीआर विश्लेषण, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और स्थानीय खुफिया जानकारी के जरिए उसे खोजने की लगातार कोशिशें की गईं। आरोपी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) हासिल किए गए और उसे घोषित अपराधी करार देने के लिए बीएनएसएस की धारा 84 के तहत कार्यवाही भी शुरू की गई थी।

वेलकम पुलिस स्टेशन के एसचओ इंस्पेक्टर रूपेश कुमार खत्री के नेतृत्व में और भजनपुरा के एसीपी सहदेव कुमार राणा की कड़ी निगरानी में एक समर्पित टीम ने इस मामले पर लगातार काम किया।

पुख्ता जानकारी मिलने पर पुलिस टीम ने उत्तराखंड के भगवानपुर में छापेमारी की और वेलकम इलाके के रहने वाले लगभग 26 साल के आरोपी को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। जांच-पड़ताल के दौरान पता चला कि आरोपी पहले भी गैर-इरादतन हत्या और जुए के मामलों में शामिल रहा है। आगे की जांच जारी है।

विवाद में पड़ोसी ने युवक की गोली मारकर हत्या की, जांच में जुटी पुलिस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, 19 जून। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र स्थित अच्छेजा गांव की रॉयल सिटी सोसाइटी में गुरुवार देर रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक और आरोपी आपस में दोस्त थे, लेकिन किसी बात को लेकर हुए विवाद ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि एक पक्ष ने दूसरे पर गोली चला दी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार 18 जून 2026 को थाना बादलपुर पुलिस को सूचना मिली कि रॉयल सिटी, ग्राम अच्छेजा छपरौला में रहने वाले जीवन किशोर पुत्र रामदास को गोली मार दी गई है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। घायल जीवन किशोर को आनन-फानन में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक जीवन किशोर की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है और वह मूल रूप से फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज क्षेत्र के निवासी थे।

बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से रॉयल सिटी सोसाइटी में रह रहे थे। घटना के समय उनका अपने पड़ोसी विशाल कश्यप से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गंभीर झगड़े में बदल गई। इसी दौरान गोली चलने की घटना हुई, जिसमें जीवन किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पड़ोसी विशाल कश्यप और उसके साथी विक्की का नाम सामने आया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे और किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण कर चुके हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सऊदी अरब से लौटते ही दबोचा गया 5 साल से फरार आरोपी

नोएडा (अप्रस)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने पिछले पांच वर्षों से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, रंगदारी, धमकी और आईटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी लंबे समय से भारत छोड़कर सऊदी अरब में रह रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुदासिर जहूर पुत्र जहूर अहमद (38 वर्ष) निवासी अरम मस्जिद, खानयार, जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। उसे गुरुवार को मुंबई एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों की सहायता से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह सऊदी अरब के जेद्दा शहर से भारत लौट रहा था। मामले की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी, जब एक महिला ने थाना फेस-3 में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने आरोपियों के खिलाफ वर्ष 2020 में मथुरा जिले के नौहझील थाने में धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और जालसाजी से संबंधित मुकदमा दर्ज कराया था।

दिल्ली पुलिस ने ऑटो लिफ्टर को किया गिरफ्तार, चोरी की दो गाड़ियां बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 19 जून। पूर्वी जिले की दिल्ली पुलिस ने वाहन चोरी और सड़क अपराध के खिलाफ एक ऑटोलिफ्टर को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने चोरी की दो बाइक और चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए। इस गिरफ्तारी से अलग-अलग थानों में दर्ज कुल चार चोरी के मामलों का खुलासा हुआ।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित उर्फ 'पिस्टल' के रूप में हुई है। उसे मधु विहार थाना पुलिस की टीम ने एक विशेष सूचना के आधार पर चलाए गए ऑपरेशन में पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपी लूट, छिनैती और वाहन चोरी जैसे कई आपराधिक मामलों में पहले से शामिल रहा है।

यह कार्रवाई पूर्वी जिला पुलिस की उस लगातार मुहिम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य वाहन चोरी, छिनैती और अन्य सड़क अपराधों पर रोक लगाना है। इस ऑपरेशन के लिए एक विशेष टीम का गठन इंस्पेक्टर संदीप आर्य (मधु विहार थाने के कार्यवाहक एसएचओ) की देखरेख में और एसीपी मधु विहार सब-डिवीजन के समग्र मार्गदर्शन में किया गया था। टीम में हेड कांस्टेबल अरुण, सचिन त्यागी और नीरज शामिल थे। पुलिस को 16 जून को मुखबिर से सूचना मिली कि एक ऑटो लिफ्टर जोशी कॉलोनी स्थित तारावती अस्पताल के पास करीब 8,000 रुपये में चोरी का स्कूटर बेचने आने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस ने इलाके में निगरानी शुरू कर दी।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित **B-244, Ground Floor lane no-3, Majlis Park New Delhi, 110033** से जारी। प्रधान संपादक : **महावीर जैन,** प्रबंध संपादकः **अक्षित जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **DLHIN/25/A2165** फोनः 0172-2638515, 9815033624 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकारः हरीश चंद्र जैन, एचसीएस (सेवानिवृत्त)